हिंदी दैनिक

epaper www.yugdharma.com

युगधर्म

प्रधान संपादक : अरुण जोशी

१९४७ से

■ वर्ष : ८० ■ अंक १४७ नागपुर, शुक्रवार, ३० अक्टूबर २०२६ ■ पृष्ठ ८ ■ मूल्य ₹४

मोदी ने गुजरात को दी १४ हजार करोड़ की सौगात

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में होंगे शामिल

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय गुजरात दौरे के पहले दिन शुक्रवार को बनासकांठा में विकास परियोजनाओं को लेकर बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री इस दौरे में गुजरात को १४ हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दे रहे हैं। इसके साथ ही देशभर के ९.३४ करोड़ से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की २४वीं किस्त के रूप में १८,६८० करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से जारी की जा रही है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में पशुपालन, कृषि, सड़क, मेट्रो, रेलवे, खाद्य प्रसंस्करण और ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने बनासकांठा के भिलड़ी में १२७ एकड़ क्षेत्र में विकसित भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर (बीबीबीआरसी) को राष्ट्र को समर्पित किया। यह केंद्र पशुओं की नस्ल सुधारने, बेहतर आनुवंशिक गुणवत्ता विकसित करने और आधुनिक प्रजनन तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। यहां भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीक और इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) जैसी आधुनिक सुविधाओं के माध्यम ■ शेष पेज ५ पर

शिवराज सिंह चौहान की मा काशीबाई का निधन

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मां काशीबाई का

शुक्रवार सुबह भोपाल स्थित एम्स में उपचार के दौरान निधन हो गया। वह लंबे समय से अस्वस्थ थीं। उनके निधन की खबर से परिवार और शुभचिंतकों में शोक है। काशीबाई का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए शुक्रवार सुबह ११ बजे से दोपहर १२ बजे तक भोपाल के ९-बी, साकेत नगर स्थित निवास पर रखा जाएगा। इसके बाद पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए उनके गृह ग्राम जैत, जिला सीहोर ले जाया जाएगा। दोपहर ३ बजे जैत में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

झकास!

अपनों ने ही दिया धोखा!

मुख्यमंत्री-पालकमंत्री ने जीतोड़ मेहनत की

विशेष प्रतिनिधि

नागपुर। नागपुर विभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भाजपा उम्मीदवार सुधाकर कोहले की हार को भाजपा का कोई नेता नहीं पचा पा रहा है। इस बार के चुनाव में मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने जबरदस्त तैयारी की थी। पूरी व्यूहरचना पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को समझाई थी कि लेकिन जबर्दस्त भितरघात हो गया और यह चुनाव दूसरी पसंद के वोटों की तरफ मुड़ गया और यहीं पर कोहले की हार हो गई।

भाजपा ने पहली पसंद के वोटों के आधार पर ही कोहले को विजय दिलाने की रणनीति बनाई थी लेकिन वह फेल हो गई। सीएम को अपने ही शहर में मात खानी पड़ी। इसका फायदा विपक्ष ने जमकर उठाया और आलोचनाओं का दौर शुरू हो गया। कोहले के साथ जो भितरघात हुआ है, उसके लिए अनिल सोले के समर्थकों के अलावा दक्षिण नागपुर के विधायक मोहन मते का भी योगदान बताया जा रहा है। मते के कारण २०१९ के विधानसभा चुनाव में कोहले की टिकट सिटिंग एमएलए होने के बावजूद दक्षिण नागपुर से कट गई जिससे कोहले नाराज हो गए। आरोप लगते रहे हैं कि कोहले ने भी मते को हराने के लिए भरपूर कोशिश की लेकिन सफल नहीं हुए। अब कोहले से बदला लेने के लिए बताते हैं कि इस चुनाव में मते ने अपने मोहरे चले। शह और मात का यह खेल पता नहीं कब तक चलता रहेगा। हुआ यह कि कोहले के अपनी ही पार्टी के विरोधियों ने उनके नाम के आगे गोले में २ लिख दिया और वह मतपत्रिका रद्द हो गई।

संदीप जोशी उस्ताद साबित होते

लोगों का कहना है कि कोहले की जगह अगर संदीप जोशी को उम्मीदवारी दी जाती तो वे इस बार जरूर उस्ताद साबित होते। जेन जी जोशी की खुले दिल से मदद करता लेकिन पता नहीं भाजपा नेतृत्व को संदीप जोशी से क्या नाराजी हो गई है!

ईमानदार कल्लू बेईमान प्रमोद

सूना पड़ा फार्महाउस, नहीं नाच रहीं बालाएं

विशेष प्रतिनिधि

नागपुर। जरीपटका इलाके में पिछले दो दिन से प्रमोद भागचंदानी के कारण लाखों रुपए खो चुके फार्महाउस वाले कल्लू की चर्चाएं हो रही हैं। लोग बताते हैं कि कल्लू भागचंदानी की तरह हराम के पैसे कभी नहीं खाता लेकिन अपनी व्यक्तिगत दुश्मनी एक व्यक्ति से भुनाने के चक्कर में कल्लू एक बार जो भागचंदानी के चक्कर में फंसता गया तो फंसता ही चल गया। अब चूंकि प्रमोद जेल के अंदर सड़ रहा है, कल्लू के फार्महाउस पर न तो शराब पार्टियां हो रही हैं और न ही भीलगांव की लड़कियां नाच रही हैं।

लोग बताते हैं कि कल्लू जरीपटका इलाके में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति है। पैसों की उसे कोई कमी नहीं है। बताते हैं एक मामले कल्लू की किसी से निजी दुश्मनी हो गई और फिर कल्लू निकल पड़ा उससे बदला लेने। इसके लिए वह कोई भी कीमत देने तैयार था। इसी चक्कर में कल्लू की मुलाकात कुख्यात ब्लैकमेकर भागचंदानी से हुई और एनआईटी, मनपा, आयकर, मनपा दमकल विभाग से प्रमोद की जुगलबंदी से परिचित होने के बाद कल्लू उससे बेहद प्रभावित हो गया। इसके बाद कल्लू अपने फार्महाउस पर प्रमोद को आमंत्रित कर शराब पार्टियां देने लगा। कुछ समय बाद प्रमोद ने अपने फांसे गए शिकार से उचित वसूली का जिम्मा कल्लू को भी दिया। शिकार से मोटी राशि मिलने के बाद प्रमोद मनोरंजन के लिए लड़कियां बुलाने लगा। कल्लू को उसकी हरकतें जरा भी पसंद नहीं आईं लेकिन कल्लू पर अपने दुश्मन को सबक सिखाने की सनक सवार थी। इसके बदले कल्लू अपने दुश्मन पर प्रमोद के जरिए वार करने लगा। उसे विभिन्न विभागों से नोटिस दिलाकर परेशान कर दिया। आखिर कल्लू के दुश्मन ने हार मान ली और प्रमोद की जेब गर्म कर मामले को रफा-दफा कर दिया। ■ शेष पेज ५ पर

भागचंदानी पर ८वीं एफआईआर

ताजा जानकारी मिली है कि प्रमोद भागचंदानी के खिलाफ तहसील थाने में एक और जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। अगले कुछ दिनों में भागचंदानी के खिलाफ ३ और एफआईआर विभिन्न थानों में दर्ज हो सकते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की एक मजबूत टीम भागचंदानी गैंग के खिलाफ मकोका कार्रवाई की तैयारी में लग गई है।

जान से मारने की धमकी देकर नामांकन वापस कराया

कांग्रेस उम्मीदवार समेत ८ लोगों के खिलाफ शिकायत से लातूर में राजनीतिक घमासान

लातूर। लातूर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के चुनाव में उम्मीदवारों पर दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। भाजपा के एक उम्मीदवार का कथित तौर पर अपहरण कर उन्हें जान से मारने की धमकी देने और पैसों का लालच देकर जबरन उम्मीदवारी वापस लेने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया गया है। इस घटना से जिले का राजनीतिक माहौल गरमा गया है. भाजपा उम्मीदवार ने कांग्रेस के उम्मीदवार सहित ७ से ८ लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मामले में एमआईडीसी पुलिस थाने में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

शिकायतकर्ता की पहचान रेणापुर तहसील के विविध कार्यकारी सेवा सहकारी संस्था निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रवि जाधव के रूप में हुई है। उन्होंने १६ अक्टूबर को जिला बैंक चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। आरोप है कि नामांकन दाखिल करने के बाद से ही उन पर उम्मीदवारी वापस लेने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था। इस सिलसिले में २८ अक्टूबर को उनके साथ कथित रूप से अपहरण, धमकी और जबरन नामांकन वापस कराने की घटना हुई।

फोन कर बुलाया, फिर कार से होटल ले गए

रवि जाधव की शिकायत के अनुसार, २८ अक्टूबर की सुबह करीब १०.३० बजे शरद कदम (टाकलगांव निवासी) ने उन्हें फोन किया और दयानंद महाविद्यालय के प्रवेश द्वार के पास मिलने ■ शेष पेज ५ पर

बोस्निया में बड़ा हेलीकॉप्टर हादसा

४ कर्मियों की मौत, ११ घायल

साराजेवो। बोस्निया-हर्जेगोविना के उत्तरी इलाके में यूरोपीय संघ के शांति मिशन (ईयूफोर) का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार ४ कर्मियों की मौत हो गई, जबकि ११ लोग घायल हो गए। ईयूफोर ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है और उनका इलाज चल रहा है। हादसा ब्रचको शहर के आसपास हुआ। इटली का सीएच-४७ चिनूक हेलीकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल था। इसी दौरान वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ईयूफोर ने बताया कि दुर्घटना की गहन और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। घटना से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी बाद में साझा की जाएगी। राहत की बात यह रही कि ■ शेष पेज ५ पर

महिला पुलिस कर्मी ने शराब पीकर कार फुटपाथ पर चढ़ाई

वर्दी में बीच सड़क पर की गालीगलौज निलंबित किया, मामला दर्ज

पुणे। कानून और यातायात नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी संभालने वाले पुलिस विभाग की एक महिला कर्मचारी पर ही शराब पीकर वाहन चलाने और सड़क पर जमकर हंगामा करने का आरोप लगा है। पुणे में वर्दी पहने महिला पुलिस कर्मचारी ने कथित तौर पर शराब के नशे में अपनी कार गलत दिशा में दौड़ाई। इस दौरान सामने से आने वाले वाहनों को कट मारते हुए उसने कार सीधे फुटपाथ पर चढ़ा दी। इतना ही नहीं, मौके पर मौजूद वाहन चालकों और नागरिकों के साथ गाली-गलौज करने का आरोप भी है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित महिला कर्मचारी को निलंबित कर दिया। उसके खिलाफ मांजरी पुलिस थाने में मामला भी दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, निलंबित महिला कर्मचारी की पहचान ३९ वर्षीय अश्विनी केकान के रूप में हुई है। वह पुणे पुलिस विभाग के कालेपड़ल पुलिस थाने में कार्यरत थी। घटना शेवालवाड़ी इलाके में रामानंद होटल के सामने की सड़क पर हुई। आरोप है कि महिला पुलिस कर्मचारी उस समय पुलिस की वर्दी में थी और शराब के नशे में अपनी कार चला रही थी। उसकी कार ग्रे रंग की मारुति सुजुकी बलेनो थी, जिस पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी हुई थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला कर्मचारी ने सड़क पर वाहन को गलत दिशा से चलाना शुरू किया। इस दौरान सामने से आ रहे वाहनों को अचानक कट मारने से अन्य वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई। इसी बीच कार पर से उसका नियंत्रण छूट गया और वाहन सीधे फुटपाथ पर चढ़ गया। इस घटना से सड़क पर मौजूद नागरिकों और वाहन चालकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। कार फुटपाथ पर चढ़ने के बाद वहां मौजूद लोगों ने महिला से इस तरह वाहन चलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने को लेकर सवाल किए। आरोप है कि इस पर महिला कर्मचारी ने नागरिकों और वाहन चालकों के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज की। इस पूरी घटना का किसी ने ■ शेष पेज ५ पर

शोपियां में आतंकी फंडिंग नेटवर्क का भंडाफोड़

लश्कर और टीआरएफ के लिए धन जुटाने के आरोप में १० गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में पुलिस ने आतंकी गतिविधियों से जुड़े एक बड़े वित्तीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस की जांच में लश्कर-ए-तैयबा और द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के लिए कथित तौर पर धन जुटाने वाले नेटवर्क का खुलासा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने अब तक १० लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर आतंकवादी संगठनों से जुड़े लोगों को आर्थिक सहायता और अन्य जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने में भूमिका निभाने का संदेह है।

पुलिस ने इस संबंध में शोपियां पुलिस थाने में प्राथमिकी क्रमांक २३१/२०२६ दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, जिले में आतंकी गतिविधियों से जुड़े संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और नेटवर्क की गहन जांच की जा रही थी। इसी दौरान केंद्रशासित प्रदेश में सक्रिय एक कथित आतंकी वित्तपोषण मॉड्यूल की जानकारी सामने आई। जांच में संदिग्ध ऑनलाइन लेनदेन और आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े लोगों को रसद सहायता उपलब्ध कराने के संकेत मिले। ■ शेष पेज ५ पर

कार्य क्षेत्र से बाहर छापेमारी करना एफडीए अधिकारियों को पड़ा भारी

एफडीए के ६ और अधिकारी होंगे निलंबित

मुंबई। पुणे और भिवंडी में अपने निर्धारित कार्यक्षेत्र से बाहर जाकर छापेमारी करना खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के अधिकारियों के लिए मुसीबत बन गया है। इस मामले में विभाग के छह और अधिकारियों के निलंबन की संभावना है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री ने इन अधिकारियों के निलंबन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा २० अन्य अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इस तरह इस पूरे मामले में कुल २६ अधिकारी कार्रवाई के दायरे में आ गए हैं। जानकारी अनुसार, पुणे और भिवंडी में कुछ दिन पहले एफडीए के अधिकारियों ने एक तंबाकू कंपनी के ठिकानों पर छापेमारी की थी। बताया जाता है कि संबंधित कंपनी केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती है। इसके बावजूद महाराष्ट्र एफडीए के अधिकारियों ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई की। इस छापेमारी की वैधता को लेकर विवाद खड़ा हो गया और मामला अदालत से लेकर दिल्ली तक पहुंच गया। जांच में छापेमारी को अनधिकृत बताते हुए संबंधित अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए गए।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे और मंत्री नरहरि झिरवल ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के पास भेजा था। अब सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री ने छह अधिकारियों के निलंबन को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही २० अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, निलंबन और विभागीय जांच के आधिकारिक आदेश जारी होने के बाद ही कार्रवाई की पूरी स्थिति स्पष्ट होगी।

पहले भी छह अधिकारियों पर हो चुकी है कार्रवाई : बताया जाता है कि इस प्रकरण में इससे पहले भी छह अधिकारियों के निलंबन की कार्रवाई की जा चुकी है। अब छह और अधिकारियों पर कार्रवाई की तैयारी है। इस तरह कुल २६ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इनमें पुणे और मुंबई से जुड़े अधिकारियों का समावेश बताया जा रहा है। मामले में कुछ अन्य अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होने की संभावना है।

सुपारी प्रकरण के बाद दूसरा बड़ा मामला : एफडीए में इससे पहले सुपारी से जुड़े प्रकरण में भी करीब पांच ■ शेष पेज ५ पर

भूटान में ग्लेशियर झील फटने से तबाही, भारत में बढ़ी चिंता

पश्चिम बंगाल और असम में बाढ़ की चेतावनी जारी

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी भूटान के गासा जिले में शिंताफू झील में 'ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड' (ग्लेशियर झील के फटने से आई बाढ़) की घटना सामने आई है, जिसके चलते पश्चिम बंगाल और असम के कुछ हिस्सों में अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। इसे देखते हुए अधिकारियों ने पूरे उत्तर बंगाल में हाई अलर्ट जारी कर दिया है और आपातकालीन तैयारियां शुरू कर दी हैं। मो छू नदी के उद्गम स्थल पर स्थित शिंताफू झील को भूटान की १७ संभावित खतरनाक ग्लेशियर झीलों में से एक माना जाता है। इससे पहले २६ अगस्त २०२१ को भी एक भीषण बाढ़ के कारण गासा त्साचू बह गया था, जब उफान पर आई मो छू नदी ने अपना रास्ता बदलकर गर्म पानी के झरने की ओर रुख कर लिया था। इसी बीच असम के असम के मुख्यमंत्री हेंडल से एक ट्वीट किया गया। इसमें लिखा है, 'भूटान में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (ग्लेशियर झील के फटने से आई बाढ़) के कारण पैदा हुई स्थिति पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा बारीकी से नजर रख रहे हैं। धुबरी के डीसी मौके पर मौजूद हैं और निचले इलाकों में पड़ने वाले प्रभावों से ■ शेष पेज ५ पर

मुर्गी पालन कैसे करें

वैसे तो प्रशिक्षण के दौरान मुर्गीपालन का व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है फिर भी यह अच्छा होगा कि आप किसी अनुभवी मुर्गीपालक से व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करें। प्रशिक्षण तथा परामर्श से आपको पता चलेगा कि मुर्गी फार्म कैसा होना चाहिए, चूजे कहां से खरीदने हैं, मुर्गी फार्म कैसे बनाएं मुर्गी दाना कैसे बनाया जाये, दाना पानी का बर्तन कैसा हो, मुर्गियों का रखरखाव कैसे करें तथा बीमारियों से बचाने के लिए क्या-क्या आवश्यक उपाय किये जाएं?

आहार व्यवस्था

मुर्गीपालन पर होने वाले खर्च का दो तिहाई खर्च उनको खिलाने के लिए खरीदे गये दानों पर होता है। अत: आप अपने इलाके में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों को सही मात्रा एवं उचित अनुपात में मिलाकर संतुलित दाना मिश्रण बनायें तो वह सस्ता होगा। संतुलित दाना मिश्रण विभिन्न प्रकार के अनाज जैसे मक्का, ज्वार, बाजरा, गेहूं आदि खल, सूर्यमुखी की खल, सोयाबीन की खली, सरसों की खल आदि चूरी जैसे भूनी हुई ग्वार की चूरी, मछली का चूरा अथवा मांस का चूरा, खनिज मिश्रण एवं विटामिन आदि को सही मात्रा व उचित अनुपात में मिलाकर बनाया जाता है।

इस तरह के संतुलित आहार से मुर्गियों को सभी पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, ऊर्जा, खनिज, विटामिन आदि उनकी जरूरत के मुताबिक प्राप्त होगा। जिससे उनके शारीरिक विकास व उत्पादन में वृद्धि होगी यानि आप जल्द से जल्द कम खर्च में ज्यादा मांस एवं अण्डे का उत्पादन कर सकते हैं क्योंकि आहार की मात्रा एवं गुणों का प्रभाव मुर्गियों द्वारा मांस व अण्डों के उत्पादन पर पड़ता है, अत: इन्हें कम लागत वाला संतुलित आहार उचित मात्रा में देकर ही ज्यादा से ज्यादा फायदा लिया जा सकता है। इसलिये चूजों व मुर्गे–मुर्गियों का आहार बनाने और खिलाने पर ही इस व्यवसाय का फायदा या नुकसान निर्भर करेगा। आहार आप खुद ही बनाये। छोटे मुर्गी पालक हाथ से मिलाकर एवं बड़े मुर्गीपालक मशीनों के द्वारा खुद ही दाना तैयार करें। छोटे चूजों के लिए बारीक दाना ठीक होगा। चूजों को हमेशा पर्याप्त मात्रा में दाना उपलब्ध करायें। दाने का बर्तन ऐसा हो जिसमें मुर्गियां दाना आसानी से खा सकें। लेकिन अनावश्यक बर्बादी या उनके अन्दर गंदगी न कर सकें। दाने का बर्तन साफ हो। दाने के साथ स्वच्छ पीने का ताजा पानी भी चूजों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करायें। पानी के बर्तन के आसपास अक्सर बिछावन गीला हो जाता है। अत: गीला बिछावन बदल दें। इस बात का ध्यान भी रखें कि चूजे पानी को गंदा न करें।

मुर्गियों के आहार में खाद्य पदार्थों का अनुपात

मांस उत्पादन करने वाले चूजे जिसे ब्रायलर कहते हैं, तकरीबन डेढ़ महीने में तैयार हो जाते हैं। इनके लिए दाना मिश्रण बनाने के लिए मक्का, बाजरा, गेहूं या सफेद ज्वार 51 प्रतिशत, मूंगफली या सोयाबीन की खली 23.5 प्रतिशत, तिल या सूरजमुखी की खली 10 प्रतिशत, भूनी हुई ग्वार की चूरी 5 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 8 प्रतिशत तथा खनिज मिश्रण 2.5 प्रतिशत 100 किलो दाना तैयार कर सकते हैं। इस दाना मिश्रण में विटामिन मिश्रण,एंटीबॉयोटिक व काक्सीडियोस्टेट आदि आवश्यकता अनुसार दें अंडे देने वाली मुर्गियों के लिए दाना मिश्रण उनकी उम्र के हिसाब से देना पड़ेगा। जैसे एक दिन से दो महीने की उम्र तक के चूजों के लिए दाना मिश्रण में मक्का, ज्वार, बाजरा या गेहूं 32 प्रतिशत, मूंगफली या सोयाबीन की खली 29.5 प्रतिशत, चावल की पॉलिश 28 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 8 प्रतिशत एवं खनिज मिश्रण 2.5 प्रतिशत मिलाएं। इसी तरह से बढ़वारी जिनकी उम्र दो से पांच माह तक हो, के दाना मिश्रण में मक्का, ज्वार, बाजरा या गेहूं 22 प्रतिशत, गेहूं का चोकर/ छानस 8 प्रतिशत, शीरा 5 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 6 प्रतिशत एवं खनिज मिश्रण 2.5 प्रतिशत मिलायें। पांच महीने अर्थात 20 सप्ताह के बाद मुर्गियां अण्डे देना शुरु कर देती हैं। अत: मुर्गियों के दाना मिश्रण में मक्का , ज्वार, बाजरा या गेहूं 32 प्रतिशत, मूंगफली या सोयाबीन का खल 21.5 प्रतिशत, चावल का पॉलिश 29.5 प्रतिशत, शीरा 5 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 1 प्रतिशत, चूने का पत्थर एवं खनिज मित्रण 3 प्रतिशत मिलायें।

चूजे खरीदना

चूजे हमेशा अच्छी नस्ल के एवं ऐसी हैचरी से खरीदें जिनके चूजे सरकार द्वारा किये गये रैन्डम सैम्पल परीक्षण में खरे उतरे हों। ब्रायलर 6 सप्ताह की आयु में औसतन 2 किलो दाना खाकर डेढ़ किलो वजन तक का हो जाना चाहिए। उसी तरह से अण्डे देने वाली मुर्गियां प्रतिवर्ष 240 से 300 अण्डे देने वाली हो। अच्छी नस्ल का चुनाव, समुचित आहार व्यवस्था व प्रंबधन, रोगों से बचाव, उपचार व नियंत्रण तथा सुनिश्चित विपणन से ही मुर्गीपालन लाभदायक हो सकता है।

इलाज से बचाव बेहतर है। अत: स्थानीय पशु चिकित्सक की सलाह से मरैक्स, रानीखेत, गम्बोरो, चेचक इन्फैक्सीयस ब्रान्काइटस आदि बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण करवायें तथा किसी कारणवश पक्षियों में बीमारी आ जाती है तो तुरंत रोकथाम के लिए स्थानीय पशु चिकित्सालय से सम्पर्क करें।

- कुक्कुट आवास ऐसे स्थान पर बनाएं जहां वर्ष भर आवागमन के साधन उपलब्ध हों। मुर्गी घर मुख्य मार्ग या पक्की सड़क के निकट हो तथा अण्डा/ आहार लाने व ले जाने के लिए वाहन व्यवस्था होनी चाहिए।
- फार्म शहर के निकट तुरंत घनी आबादी व शोर वाले क्षेत्रों से दूर हो।
- कुक्कुट आवास के लिए भूमि नीचे में न हो ओर निकट में तालाब आदि न हो, न ही वहां पर पानी ठहरता हो।
- पानी एवं बिजली की समुचित व्यवस्था हो।
- मुर्गीघर की लम्बाई पूर्व–पश्चिम दिशा में बनाएं।
- मुर्गीघर हवादार हो। धूप व बारिश से बचने के लिए छज्जे लगे होने चाहिए। दरवाजे बाहर की ओर खुलने चाहिए। छत ऐसी बनाएं कि वर्षा का पानी उस पर रुक न सके। गर्मी में अधिक गर्म न हो तथा सर्दी में ठंडी न हो। पक्षियों को सर्दी व गर्मी से बचाने की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
- फार्म के निकट विपणन सुविधा होनी चाहिए।
- बाल्टी, एग ट्रे आदि हर समान मुर्गीघर में होना चाहिए।
- समय–समय पर बिछावन को पलटने के लिए पंजे की व्यवस्था हो।
- डीप लीटर में आवास स्थान 2.25 वर्ग फुट प्रति पक्षी अवश्य दें।
- पिंजरा प्रणाली में प्रति पक्षी आवास 0.75 वर्ग फुट प्रति पक्षी अवश्य दें।

- 8 सप्ताह तक के चूजों के पालन हेतु 7 वर्ग इंच स्थान, 9–20 सप्ताह के पक्षियों के लिए 1 वर्ग फुट तथा अण्डे देने वाली मुर्गियों को 2 वर्ग फुट स्थान दें।
- 5 सप्ताह की आयु पर चोंच कांटे।
- प्रतिदिन सुबह एवं शाम सावधानीपूर्वक कुक्कुटों का निरीक्षण करें। ताकि रोग आते ही उनकी देखभाल शुरू की जा सके। चूजे फार्म पर आने से पहले सभी 15 उपकरण, ब्रूडर, गार्ड आदि का प्रबंध करें तथा तापक्रम नियमित करें। प्रकाश व्यवस्था भी ठीक रखें।
- प्रथम सप्ताह 95 डिग्री फेरनहाईट दें तथा बाद में प्रति सप्ताह 5 डिग्री कम करते जाए।

जैव सुरक्षा

मुर्गीफार्म पर साफ–सफाई तथा फार्म को रोगाणु रहित इस प्रकार करें।

- शेड के प्रवेश स्थल पर कीटाणुनाशक दवाओं के घोल में पैर धोने के उपरांत ही शेड में प्रवेश करें।
- अगर डीप लीटर सिस्टम से मुर्गियां पाल रहे हैं तो मुर्गियां बिकने के बाद बिछावन पर जंतुनाशक दवाई (जैसे की 5 या 10 प्रतिशत सान्द्रता का फॉरमैलीन) का छिड़काव करें। इसके बाद उसे हटाकर दूर किसी गहरे गड्ढे में दफन कर ऊपर से मिट्टी डाल दें।
- मुर्गियों के पानी, मुर्गी के खाने बर्तन तथा अन्य सामान फार्म से हटायें।
- बिछावन हटाने के बाद जमीन की ऊपरी सतह की मिट्टी खरोंचकर निकालें तथा दूर गहरे गड्ढे में डालकर ऊपर से साफ मिट्टी डाल दें।
- इसके बाद पहले छत की सफाई करें। फिर दीवारों की सफाई करें। बाद में फार्म की जालियां और अंत में बाकी सामान की सफाई करें।

उपयुक्त सुझावों को व्यावहारिक रुप में समझदारी के साथ प्रयुक्त करें तथा कम से कम लागत में ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाएं।

अनाज का करें सुरक्षित भंडारण

अनाज का सही भंडारण शायद उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि उसके उत्पादन का। क्योंकि असावधानी से भंडारण में रखा अनाज सहज ही पतंगों या फफूंदी से प्रभावित हो सकते हैं। विशेषकर यदि भंडारण गृह साफ न हो और उसमें नमी की मात्रा अधिक हो। इसलिये कीट पतंगों व फफूंदी के प्रकोप से अनाज को बचाने के लिये यह आवश्यक है कि अनाज का भंडारण सही ढंग से किया जाए। अनाज भंडारण में निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिये:

- अनाज को खलिहान या घर पर लाकर अच्छी तरह सुखाना चाहिए। ताकि उसमें 10 प्रतिशत से अधिक नमी न रहे। अधिक नमी वाले अनाज में कीट पतंगें लग जाते हैं।
- भंडारण गृह नमी तथा कीट रोधक होने चाहिए। इसके लिये पंत नगर कुठला या लोहे का ड्रम या पूसा बिन का प्रयोग करना चाहिये।
- यदि भंडार गृह में कीट पतंगे लग जाएं तो ई.डी.बी. का सल्फाल कीटनाशक औषधि का प्रयोग करें। इसके लिये कोठी कुठले या बुखारी हवारोधक तथा नमीरोधक होने चाहिए।
- भंडार गृह को अनाज रखने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें और ई.डी.बी. दवा का निम्नलिखित विधि से प्रयोग करें।
- खाली की गई कोठी कुठला या भंडार की सफाई के बाद ई.डी.बी. दवा का धुआं करें। दवा की शीशी को तोड़कर अंदर भंडार गृह में डाल दें और तुरंत ही रास्ते को मिट्टी लगाकर बंद कर दें। यह दवा खाली स्थान में 30 मिली प्रति 60 घन फुट स्थान की दर से प्रयोग करें।
- भरे हुए भंडार में दवा का प्रयोग – ई.डी.बी. की शीशी को अनाज में 5–6 इंच नीचे घुसाकर सिंडासी की सहायता से दबा कर तोड़ दें और एक साथ ही मिट्टी से भंडारगृह के सब दरवाजे बंद कर दें। दवा की शीशियों को अनाज में जगह–जगह पर रखना चाहिए जिससे उसका धुआं भली प्रकार चारों तरफ फैल जाए। दवा को 3 मिली प्रति क्विंटल की दर से प्रयोग करें।

अब भंडार गृह को 7 दिन तक बिल्कुल न खोलें। यदि खाने के लिये अनाज निकालना हो तो 7 दिन बाद ही निकालें और उसे 3–4 घंटे धूप में सुखा लें और हवा देकर अच्छी तरह साफ कर लें। तिलहन जैसे मूंगफली, तिल, आटा इत्यादि में इस औषधि का प्रयोग न करें।

- भंडार गृह यदि रहने के स्थान तथा पशुशाला से दूर हो तो बहुत ही अच्छा है। यदि ऐसा न हो तो दवाई प्रयोग करते समय व बाद में भंडार गृह खोलते समय कोई भी आदमी या पशु पास न आने पाए और न ही अनाज को छेड़ें।
- भंडार गृह का दरवाजा खोलने से पहले मुंह पर कपड़ा लपेटें।
- औषधि यदि शरीर पर गिर जाए तो साबुन से कई बार धोएं।
- यदि दवा की गैस नाक में चढ़ जाए तो उस आदमी को खुली हवा में रखें और कमरे के सब दरवाजे खिड़की खोल दें। उसे कोई भी नशीली चीज न पिलाएं। तुरंत चिकित्सक को बुलाकर उपचार कराएं।

खीरा वर्गीय सब्जियों की बढ़वार में पोषक तत्वों का इस्तेमाल

पौधों की जड़ों द्वारा पोषक तत्व भूमि से अवशोषित किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ कार्बनिक पदार्थों की भी आवश्यकता होती है। जिसे पौधे स्वयं संश्लेषित करते हैं। इस प्रकार के कार्बनिक पदार्थ जो वृद्धि व विकास को बढ़ाते हैं पादप हारमोन्स कहलाते हैं। ये आवश्यक पोषक तत्वों के अलावा कार्बनिक पदार्थ होते है। जब इन आवश्यक पादप हारमोन्स को पौधों को कृत्रिम रुप से दिया जाता है तो इन्हे पादप वृद्धि नियामक कहते हैं। इनकी अति सूक्ष्म मात्रा भी पौधों की वृद्धि व विकास को प्रभावित करती है। पादप हारमोन्स का प्रयोग फलों, सब्जियों से लेकर मसालों एवं फूलों तक में किया जाता है। परंतु खीरावर्गीय सब्जियों में पादप नियामकों का प्रभाव अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत देश में खीरा वर्गीय कुल की लगभग 20 तरह की सब्जियों की खेती की जाती है। खीरा वर्गीय सब्जियों गर्मियों में पैदा होने वाली सब्जियों का एक बड़ा समूह है। इस कुल में लौकी, तुरई, टिण्डा, ककड़ी, तरबूज, खरबूज व करेला आदि मुख्य सब्जियां मोनोशियम (जिसमें नर व मादा अलग–अलग) होती हैं। खीरावर्गीय सब्जियां गांव की झोपड़ियों से लेकर शहरों तक में उगाई जाती है। ये जायद में सब्जियों की आपूर्ति करती है अत: खीरावर्गीय सब्जियों के महत्व को देखते हुए पादप नियामकों का छिड़काव करके उपज व गुणवत्ता बढ़ाई जा सकती है। परंतु अगर कोई पादप नियामकों का प्रयोग करना चाहता है तो उसे सलाह दी जाती है कि इस विषय में वैज्ञानिकों से स्वयं मिलकर घोल बनाना तथा प्रयोग करने की विधि समझ कर ही इनका छिड़काव करें।

अंकुरण पर प्रभाव

खीरावर्गीय सब्जियों की अगेती फसल से अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती हैं इसके लिए अंकुरण प्रतिशत अच्छा होने से परिश्रम व पूंजी का भरपूर लाभ उठाया जा सकता है।

- लौकी, तोरई करेला व तरबूज के बीजों को जीए के 20 पीपीएम (20 मिलीग्राम प्रति लीटर पानी) सान्द्रता के घोल में 24 घंटे तक भिगोकर बोने से बीजों का अंकुरण अच्छा व जल्दी होता है।
- ककड़ी, फूट व खीरा के बीज को जीए के 5 पीपीएम (5 मिलीग्राम प्रति लीटर पानी) सान्द्रता के घोल में 8 से 10 घंटे तक भिगोकर बुवाई करने से अंकुरण 3–4 दिन पहले हो जाती है।

नर व मादा फूलों पर प्रभाव

खीरावर्गीय सब्जियों की किस्मों में नर व मादा फूल अलग–अलग पौधों पर आते हैं पर पौधों से उत्पादन प्राप्त नहीं होता है जिससे आर्थिक रुप से नुकसान होता है अत: 2 से 4 पत्ती की अवस्था में पादप नियामकों का छिड़काव करने से मादा फूलों में वृद्धि होती है।

- करेला की बेलों पर एमएच का 100 से 250 पीपीएम (100 से 250 मिलीग्राम प्रति लीटर पानी) सान्द्रता वाले घोल का छिड़काव करने से मादा पुष्पों की संख्या में वृद्धि होती है।
- खीरा की बेलों पर एमएच का 200 पीपीएम (200 मिलीग्राम प्रति लीटर पानी) सान्द्रता के घोल का छिड़काव करने से 25 से 30 प्रतिशत मादा फूलों की वृद्धि पाई जाती है।
- लौकी की बेलों पर एम.एच. का 50 पीपीएम (50 मिलीग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करने से मादा फूलों की संख्या में वृद्धि होती है। तरबूज में 2, 4.5 टी अम्ल का 25 से 30 पीपीएम (25 से 30 मिलीग्राम प्रति लीटर पानी) के घोल का छिड़काव करने से मादा फूलों की संख्या में वृद्धि होती है।

वानस्पतिक वृद्धि पर प्रभाव

खीरावर्गीय सब्जियों में तापमान कम होने से लताओं की वृद्धि कम होती है जिससे यह कम फैलती है तथा फूल देरी से आते हैं। अत: खीरावर्गीय सब्जियों को पादप वृद्धि नियंत्रकों द्वारा उपचारित कर लताओं की वृद्धि को बढ़ाया जा सकता है। द्य करेला, तरबूज, खरबूज और तोरई के पौधों पर बुवाई के एक महीने बाद जी.ए. 5-10 पीपीएम (5-10 मिलीग्राम प्रति लीटर पानी) सान्द्रता वाले घोल का छिड़काव करने से लताओं व संख्या में वृद्धि होती है।

Todays Shining Stars

facebook के बिखरे मोती

yugdharmanagpur@gmail.com

करवा चौथ विशेष...

संजय के. अग्रवाल द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

राजेश टिकले द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

अर्चना पाठक द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

भाविक दुबे द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

विक्रम श्रीवास्तव द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

धवल चांदवानी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

खुशबू मिश्रा द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

गुलशन मुनियार द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

जूही भार्गव द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

मधु गोस्वामी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

मनीष त्रिवेदी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

राजीव खंडेलवाल द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

मनोज अवस्थी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

रोशनी किनकर द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

...तो देर-सवेर पतन निश्चित है

चाय से ज्यादा केटली गर्म के तर्ज पर जब अफसर, प्रशासन, छुटभैये और नवनिर्वाचित नेता (अपवादों को सादर बख्शते हुए) भी अपने आप को शीर्ष नेतृत्व जैसे समझने लगते है तो पतन निश्चित है..देर-सवेर, ये अलग बात है।

एक ही पक्ष में रहकर, विरोधियों के साथ-साथ अपनों के साथ भी वर्चस्व के लिए ओछी हरकतें करना, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को नजरअंदाज करना, उन्हें टेकन फॉर ग्रांटेड ले सभाओं में घंटों इंतजार करवाना, पब्लिक कनेक्ट न के बराबर रखना, सिर्फ अपने ऊपर के नेताओं की चापलूसी करना, फोटो और मीडिया कवरेज को प्राथमिकता देना, अपने क्षेत्र और अपनी मूल जिम्मेदारियों को अपनी प्रायोरिटी लिस्ट में आखिरी में रखना या न के बराबर रखना, पैसों/फंड्स का घोलमाल, ये सब किसी ना किसी रूप में, धीरे धीरे, ग्रेजुअली हार्डकोर समर्थकों के मन में भी खीज पैदा कर देता है। इनकी रीढ़ से ज्यादा इनकी जुबान और कार्यप्रणाली तन जाती है, और सेवा का संकल्प, सिर्फ एक तमाशा बनकर रह जाता है। ध्यान रहे कि यही लोग शीर्ष नेतृत्व और जनता/समर्थकों के बीच की कड़ी होते है। शीर्ष नेतृत्व तक अमूमन आम जनता सीधे पहुंच नहीं सकती। ऐसे लोगों की निष्कार्यप्रणाली से कट्टर समर्थक भी ठगा हुआ महसूस करते हैं जिसका सीधा असर उन्हें दी गई जिम्मेदारी निर्वाह करने की गुणवत्ता पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से होता है। केटली को याद रखना चाहिए कि आँच बंद होते ही उसकी गर्मी बर्फ होने में वक्त नहीं लगता।

अंततः पक्ष और शीर्ष नेतृत्व को और खासकर समर्थकों को भुगतान करना ही पड़ता है। वैसे गलती नेतृत्व की ज्यादा होती है क्योंकि नकेल कसने और नो नॉनसेंस अप्रोच दर्शाने में कहीं ना कहीं वे लोग कमतर रहें है। नीचे के नेताओं पर भी और प्रशासन पर भी। अफसर, प्रशासन, नगरसेवकों की जवाबदेही, एक आधिकारिक 'रिपोर्ट कार्ड' जारी होना चाहिए। प्रशासनिक सुधार और पारदर्शी मॉनिटरिंग मैकेनिज्म को सशक्त करना ही होगा। आखिर जनता के विचार, उनकी धारणा, उनके साथ किस तरीके का व्यवहार हो रहा, उनकी बात और जज़्बात की समाधानकारक दखल हो रही है या नहीं इस पर निर्भर करता है।

यहां ये कहना गलत नहीं होगा कि सब कुछ देख कर, समझ कर भी वास्तविक परिस्थिति और चापलूस नेताओं की खामियों को नजरअंदाज करने की भूल वे करते रहे। हर पक्ष को इसका खामियाजा कभी ना कभी भुगतना ही पड़ता है। इससे बचा नहीं जा सकता। विलंब हो सकता है, ग्रेस पीरियड थोड़ा ज्यादा मिल सकता है, मगर होना निश्चित है।

हर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को ये ध्यान रखना चाहिए कि जिस पारंगत कुशलता से उन्होंने जन समर्थन और मजबूत आधार की नींव रखी है उसे बरकरार रखने के लिए उन्हें सभी हितधारकों को विश्वास में लेकर सकारात्मक और सुधारात्मक पहल करनी होगी।

शीर्ष पर बैठे लोगों के पास तो अक्सर संसाधन, विकल्प और सुरक्षा होती है मगर निष्ठावान समर्थक निस्वार्थ भाव से अपना समय, भावनाएं और कभी-कभी अपना पूरा जीवन उस विचार के लिए समर्पित कर देता है। इसलिए यदि निष्ठावान समर्थक सच्चाई का आईना दिखा रहे है तो उसे सहजता और सकारात्मकता दृष्टिकोण से ही स्वीकार करना चाहिए। क्योंकि पक्ष के पतन का सबसे ज्यादा आघात उन्हीं पर और उन्हीं को होता है। और सबसे बड़ा राजनैतिक, मानसिक और भावनात्मक भुगतान उन्हें ही भोगना पड़ता है।

- **एड. अमित गिरधर हेडा**

नकली सोने के सिक्के गिरवी रखकर सुनार से १३ लाख की ठगी

संवाददाता

यवतमाल। जिले के उमरखेड़ शहर के सोनार लाइन क्षेत्र में नकली सोने के सिक्के गिरवी रखकर एक सुनार से १३ लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में शिवा नामक व्यक्ति, एक महिला और अन्य एक व्यक्ति के खिलाफ उमरखेड़ पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, तिलक वार्ड निवासी कैलास नर उदावंत (५५) ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, २८ अक्टूबर २०२६ को दोपहर करीब एक बजे शिवा नामक व्यक्ति अपने दो साथियों के साथ उमरखेड़ स्थित के.एन. ज्वेलर्स दुकान पर पहुंचा। तीनों ने अपने पास सोने के सिक्के होने और पैसों की आवश्यकता का हवाला दिया। उनकी बातों पर विश्वास करते हुए उदावंत ने १३ तोले वजन के ११ सिक्के गिरवी रख लिए और बदले में १३ लाख रुपये नकद दे दिए।

उमरखेड़ में तीन लोगों पर धोखाधड़ी का आरोप

हालांकि, कुछ समय बाद ईन सिक्कों की असलियत को लेकर उन्हें संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने बुलढाणा अर्बन मल्टीस्टेट को-ऑपरेटिव बैंक में मशीन से ईन सिक्कों की जांच कराई। जांच में वे सोने के बजाय नकली पाए गए।

इसके बाद उदावंत ने संबंधित व्यक्ति द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल बंद मिला। शिकायतकर्ता का आरोप है कि तीनों ने कथित रूप से नकली सिक्कों को असली बताकर उनके साथ धोखाधड़ी की और १३ लाख रुपये लेकर फरार हो गए। घटना के बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस से आरोपियों की तलाश कर ठगी की रकम वापस दिलाने की मांग की है। उमरखेड़ पुलिस ने २८ अक्टूबर की रात ९.३५ बजे भारतीय न्याय संहिता की धारा ३१८(१), ३१८(२), ३१८(४) और ३(५) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक शरद लोहकरे कर रहे हैं।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई शनिवार को यवतमाल दौरे पर

संवाददाता

यवतमाल। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण गवई शनिवार, ३१ अक्टूबर को यवतमाल जिले के दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे पोहरादेवी स्थित नगारा भवन और बंजारा विरासत का दौरा करने के साथ ही पुसद में प्रस्तावित वकील भवन के शिलान्यास समारोह में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, न्यायमूर्ति गवई शनिवार सुबह १०.३० बजे पोहरादेवी स्थित नगारा भवन और बंजारा विरासत का दौरा करेंगे। इस दौरान राज्य के मृद एवं जलसंधारण मंत्री तथा जिले के पालकमंत्री संजय राठोड भी उपस्थित रहेंगे। इसके बाद दोपहर १ बजे न्यायमूर्ति गवई पुसद पहुंचेंगे। दोपहर १.१५ बजे वे महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल के सदस्य अधिवक्ता आशिष देशमुख के निवास पर सद्भावना भेंट देंगे। दोपहर २ बजे राज्यमंत्री इंद्रनील नाईक के निवास पर भी उनकी सद्भावना भेंट निर्धारित है। दोपहर ३ बजे वे पुसद जिला न्यायालय परिसर में प्रस्तावित वकील भवन के शिलान्यास समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद शाम ४.३० बजे वे नागपुर के लिए रवाना होंगे।

डिजिटल ठगी के जाल में फंसे ८६ वर्षीय बुजुर्ग

संवाददाता

यवतमाल। बैंक खाते में मनी लॉन्ड्रिंग होने और आधार कार्ड के दुरुपयोग का डर दिखाकर साइबर ठगों ने ८६ वर्षीय बुजुर्ग से २१ लाख रुपये ठग लिए। यह घटना २६ और २७ अक्टूबर के बीच हुई। हालांकि, साइबर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से ठगी की रकम में से ९ लाख रुपये होल्ड कर लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, साइबर ठगों ने बुजुर्ग को फोन कर बताया कि उनके बैंक खाते का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया गया है और इसमें आधार कार्ड का दुरुपयोग हुआ है। आरोपियों ने कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर उन्हें अपने जाल में फंसा लिया। डर के कारण बुजुर्ग ने ठगों के बताए बैंक खाते में २१ लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने साइबर क्राइम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही साइबर अपराध शाखा की पुलिस निरीक्षक यशोधरा मुनेश्वर और उनकी टीम ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी जांच के जरिए ठगी की रकम जिस बैंक खाते में भेजी गई थी, उसका पता लगाया। समय रहते कार्रवाई करते हुए करीब ९ लाख रुपये होल्ड कराए गए। शेष रकम का पता लगाने और आरोपियों तक पहुंचने के लिए जांच जारी है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि बैंक खाते में अवैध लेन-देन, आधार कार्ड के दुरुपयोग या पुलिस कार्रवाई का डर दिखाकर फोन करने वालों पर भरोसा न करें। किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर पैसे ट्रांसफर न करें।

गंवाए २१ लाख, साइबर पुलिस की तत्परता से ९ लाख रुपये होल्ड

दीनदयाल प्रबोधिनी में स्वयंसेवी संस्थाओं के सशक्तिकरण पर हुई कार्यशाला

यवतमाल। ग्रामायण प्रतिष्ठान, नागपुर और दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान, यवतमाल के संयुक्त तत्वावधान में दीनदयाल प्रबोधिनी में स्वयंसेवी संस्थाओं के सशक्तीकरण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें छह जिलों की २२ संस्थाओं के ४० से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यवतमाल के अलावा वर्धा और वाशिम जिलों के संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

कार्यशाला में स्वयंसेवी संस्थाओं के पंजीकरण, १२ए, ८०जी, सीएसआर-१, सीएसआर निधि प्राप्त करने की प्रक्रिया, कंपनियों से संपर्क, प्रभावी परियोजना एवं वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने, लेखा-जोखा, लेखा परीक्षण और आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। ग्रामायण प्रतिष्ठान के विजय खटी ने सीएसआर निधि से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी दी। वहीं, ग्रामायण के अध्यक्ष अनिल सांबरे ने संस्थाओं की पहचान मजबूत करने और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर मार्गदर्शन किया। इस समय दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान के सचिव विजय कद्रे, डॉ. चंद्रकांत रागीट और संजय सराफ प्रमुखता से उपस्थित थे। दीनदयाल प्रबोधिनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गजानन परसोडकर ने अतिथियों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। दीनदयाल संस्था के कार्यों पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई। मंजुषा रागीट ने ग्रामायण प्रतिष्ठान की भूमिका स्पष्ट की।

छह जिलों की २२ संस्थाओं के ४० से अधिक प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

आयोजकों ने बताया कि कई स्वयंसेवी संस्थाएं वर्षों से सामाजिक कार्य कर रही हैं, लेकिन आवश्यक दस्तावेजों, सीएसआर निधि और सरकारी योजनाओं की जानकारी के अभाव में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं को दूर कर संस्थाओं को आत्मनिर्भर बनाना कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था।

८ लाख की फाइबर केबल चोरी

यवतमाल। शहर और परिसर में फाइबर केबल डालने का काम शुरू है। इसके लिए टेलीकॉम कंपनी द्वारा नियुक्त ठेकेदार ने लोहारा एमआईडीसी में गोदाम किराए पर लिया था और वहां फाइबर केबल का स्टॉक रखा था। अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाकर करीब ७ लाख ७४ हजार रुपये कीमत की फाइबर केबल चुरा ली। यह घटना बुधवार को उजागर हुई। ठेकेदार के प्रतिनिधि आदित्य कुमार सदानंद झा ने इस मामले में अवधूतवाड़ी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि चोरों ने कुल ८ हजार ४८ किलो वजनी केबल चोरी की है। पुलिस को शक है कि इस वारदात के पीछे इसी क्षेत्र से जुड़े किसी व्यक्ति का हाथ है। इसी दिशा में पुलिस जांच कर रही है। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०३(२) के तहत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच अवधुतवाड़ी के थानेदार अजीत कदम कर रहे हैं।

आधी रात छापा, शिकारी गैंग बेनकाब.. खाल- मांस जब्त

तारों में मौत, चीतल का शिकार

▸▸ जिला प्रतिनिधि

गोंदिया। गोंदिया वन विभाग के सालेकसा वनपरिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले बाकलसर्रा इलाके में बिजली का करंट दौड़ाकर बेजुबान चीतल का शिकार करने का मामला सामने आया है।

वन विभाग की स्पेशल टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आधी रात को ताबड़तोड़ छापेमारी कर इस शिकारी गैंग का पर्दाफाश किया है। मौके से चीतल की ताजा चित्तीदार खाल, कटा हुआ मांस और शिकार में इस्तेमाल किए गए औजार बरामद किए गए हैं। इस सनसनीखेज मामले में कुल ५ आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

जमीन पर पड़ी थी, चीतल की ताजा कटी हुई खाल

२८ अक्टूबर को वन विभाग को पुख्ता इनपुट मिला था कि बाकलसर्रा के जंगलों में हाई-वोल्टेज बिजली का तार बिछाकर संरक्षित वन्यजीव चीतल का शिकार किया गया है। सूचना मिलते ही अधिकारियों ने बिना वक्त गंवाए एक विशेष दस्ता तैयार कर इलाके में दबिश दी।

मौके का नजारा देख टीम के होश उड़ गए-जमीन पर चीतल की ताजा कटी हुई खाल, मांस और तार का जाल फैला पड़ा था। पंचों की मौजूदगी में घटनास्थल का पंचनामा कर सारा सामान तुरंत सील कर दिया गया।

फॉरेंसिक लैब भेजे गए सैंपल, ५ पर गैर ज़मानती केस दर्ज

बरामद खाल और मांस के टुकड़ों को पुष्टि के लिए पशुधन विकास अधिकारी (LDO) और राज्य फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (FSL) भेज दिया गया है।

वन विभाग ने सालेकसा तहसील के ग्राम बाकलसर्रा निवासी सभी पांचों आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, १९७२ की गैर-जमानती धाराओं (धारा ९, ३९, ४८, ५० और ५१) के तहत मामला दर्ज किया है।

आरोपियों में नरेंद्र श्रीराम चौड़ाये (२६), दिनेश भरतलाल मेश्राम २६ वर्ष), राजू भागचंद उईके (३०), भरतलाल किसनलाल मेश्राम (६०), कृष्णा बिसराम चौड़ाये (५५ वर्ष) का समावेश है।

इन अधिकारियों की टीम ने रचा चक्रव्यूह

यह पूरी निर्णायक कार्रवाई उपवनसंरक्षक (DCF) पवन कुमार जोंग और सहायक वनसंरक्षक (एसीएफ) सचिन डोंगरवार के मार्गदर्शन में सालेकसा वनपरिक्षेत्र अधिकारी (आरएफओ) अतुल वालके के नेतृत्व में अंजाम दी गई।

दबिश देने वाली टीम में क्षेत्र सहायक जे. जी. खान, चौव्हान, प्रदीप भंडारकर, किशोर फुंडे, विनोद भेंडारकर, पाऊलझगडे, सुलाखे, सुनील बारसे सहित वनरक्षक और वनकर्मी मुस्तैद रहे। वन विभाग के इस सख्त एक्शन से पूरे इलाके के शिकारियों में हड़कंप मच गया है।

खड़े कंटेनर ट्रक से ८६ एलईडी टीवी चुरा ले गए

अपराध संवाददाता

गोंदिया। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक ५३ पर शिरपुर आरटीओ जांच नाके के पास खड़े एक कंटेनर ट्रक को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने ८६ नग एलईडी टीवी चोरी पार कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार के वैशाली जिले के पौहियार निवासी अदालत सुरेंद्र राय (२६) यह कंटेनर ट्रक में एलजी कंपनी के एलईडी टीवी भरकर पुणे के राजनगांव से कोलकाता की ओर जा रहे थे।

२५ अक्टूबर की रात करीब ११ बजे से २६ अक्टूबर की सुबह ६ बजे के बीच ट्रक शिरपुर जांच नाके के पास से गुजर रहा था। चालक ने वहां ट्रक के पिछले हिस्से की जांच की तो किसी पीछे के पल्ले का लॉक टूटा हुआ था और कंटेनर में रखे १५८ एलईडी टीवी में से ८६ टीवी गायब थे।

चोरी गए टीवी की अनुमानित कीमत ३ लाख रुपये बताई गई है। बहरहाल फिर्यादी की शिकायत पर देवरी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अ.क्र. ३८१/२६ की धारा ३०५ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पंचर ट्रैक्टर से धान के कट्टे पार

अपराध संवाददाता

गोंदिया। खेत में दिन-रात मेहनत कर उगाई गई फसल को बेचने के लिए निकले किसान के धान कट्टे अज्ञात ने ट्रैक्टर से पार कर लिए।

ट्रैक्टर पंचर होने के कारण किसान ने उसे स्कूल के सामने खड़ा किया और सुबह जब वापस पहुंचा तो धान के १२ कट्टे गायब मिले।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवरी तहसील के डोंगरगांव निवासी खुशाल दुलीराम कापगते (३५) अपने खेत में उत्पादित धान को बेचने के लिए चिचटोला धान खरीदी केंद्र ले जा रहे थे।

२७ अक्टूबर की रात करीब ९ बजे रास्ते में उसका ट्रैक्टर पंचर हो गया। इसके चलते फिर्यादी ने ट्रैक्टर को डोंगरगांव स्थित जिला वरिष्ठ प्राथमिक शाला के सामने खड़ा कर दिया। २८ अक्टूबर की सुबह करीब ७.३० बजे जब वह ट्रैक्टर के पास पहुंचा तो नीचे कुछ धान बिखरा हुआ दिखाई दिया।

संदेह होने पर उसने ट्रैक्टर पर चढ़कर देखा तो धान के बोरे अपनी जगह से नीचे खिसके हुए थे।

गिनती करने पर धान से भरे १२ कट्टे कम पाए गए। प्रत्येक कट्टे में करीब ४० किलो धान था। इस तरह अज्ञात चोर कुल ४८० किलो धान चुराकर ले गए जिसका मूल्य ९६०० रुपये है।

किसान की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने अज्ञात चार आरोपियों के खिलाफ धारा ३०३(२), ३(५) के तहत मामला दर्ज किया है।

सूखे ने तोड़ी १.२१ लाख किसानों की कमर

३९,९८४ हेक्टयर की फसलें प्रभावित, शासन से मांगी ५७.८७ करोड़ की सहायता

नगर संवाददाता

गोंदिया। अनियमित बारिश और पानी की कमी ने इस खरीफ सीजन में जिले के किसानों की कमर तोड़ दी है। सूखे की स्थिति के चलते जिले के १ लाख २१ हजार ४८४ किसानों की ३९ हजार ९८४.२७ हेक्टेयर कृषि भूमि पर फसलें प्रभावित हुई हैं।

किसानों को हुए इस भारी नुकसान को देखते हुए जिला प्रशासन ने राहत देने के लिए शासन से ५७ करोड़ ८७ लाख ९६ हजार २९५ रुपये की आर्थिक सहायता की मांग की है।

खरीफ की फसल बर्बाद होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में उन्हें आगामी रबी सीजन की तैयारी और खेती को दोबारा पटरी पर लाने के लिए आर्थिक मदद की दरकार है।

गोंदिया और तिरोड़ा में सबसे ज्यादा नुकसान

तहसील अनुसार नुकसान के आंकड़ों पर नजर डालें तो गोंदिया और तिरोड़ा तहसील सूखे की सबसे अधिक मार से प्रभावित हुए है। गोंदिया तहसील में ५४ हजार ७९८ किसानों की १६ हजार ६७१.२१ हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई है। इसके एवज में प्रशासन ने २८ करोड़ ३४ लाख १० हजार ५७० रुपये की सहायता मांगी है।

वहीं, तिरोड़ा तहसील में ३३ हजार ७७७ किसानों की १२ हजार २२८.०९ हेक्टेयर कृषि भूमि पर फसलों को नुकसान पहुंचा है।

यहां के प्रभावित किसानों के लिए २० करोड़ ७८ लाख ८९ हजार ४३० रुपये की सहायता की मांग की गई है। इन दोनों तहसीलों में ही जिले के कुल फसल नुकसान का बड़ा हिस्सा सामने आया है।

इसके अलावा आमगांव तहसील में १९ हजार ३३४ किसानों की ४ हजार ५९८.६० हेक्टेयर तथा देवरी तहसील में ८ हजार ९९४ किसानों की ४ हजार १०५.०८ हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई है। सालेकसा, सड़क-अर्जुनी, अर्जुनी-मोरगांव और गोरेगांव तहसीलों में भी फसलों को नुकसान पहुंचा है।

रबी की तैयारी और पशुपालन का खर्च भी चुनौती

खरीफ फसलों के नुकसान के बाद किसानों के सामने अब आगामी रबी सीजन की तैयारी का संकट खड़ा हो गया है।

खेती के लिए बीज, खाद और अन्य जरूरी सामग्री की व्यवस्था करने के साथ ही पशुधन के पालन-पोषण का खर्च उठाना भी किसानों के लिए मुश्किल हो रहा है। ऐसे में शासन से मिलने वाली आर्थिक सहायता किसानों को बड़ी राहत दे सकती है।

जिलाधिकारी मंदार पत्की ने बताया कि नुकसानग्रस्त किसानों को आर्थिक राहत दिलाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से सहायता की मांग का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

अब शासन स्तर पर निधि मंजूर होकर प्रभावित किसानों तक जल्द से जल्द सहायता पहुंचे, इसके लिए प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

शराब पीने से मना करना भारी पड़ा

गोंदिया। शराब पीकर गाली-गलौज करने से मना करना एक युवक को भारी पड़ गया।

गोरेगांव तहसील के ग्राम पाथरी निवासी फिर्यादी मितलाल शालिकराम भोयर (३०) यह २७ अक्टूबर की सुबह घर पर भोजन कर रहा था, इसी दौरान आरोपी नितेश बाबूलाल घरत (२२) उनके घर के सामने अश्लील गाली-गलौज करने लगा।

फिर्यादी ने आरोपी को शराब पीकर गाली-गलौज करने से मना किया इसपर आरोपी बौखला गया और झगड़ा करते हुए मितलाल के दाहिने हाथ की बीच वाली उंगली जोर से मरोड़ दी तथा देख लेने की धमकी भी दे डाली।

गोरेगांव पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अ.क्र. ६८०/२६ की धारा २९६, ११५ (२), ३५२, ३५१ (२) के तहत मामला पंजीबद्ध कराया गया है।

बैलट कर वार, वंजारी की दमदार जीत.. ढोल नगाड़े बजे

'कैसा हराया' कांग्रेस का विजयघोष

▸▸ जिला प्रतिनिधि

गोंदिया। नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के सियासी दंगल में महाविकास अघाड़ी (एमवीए-) ने ऐतिहासिक बाजी मार ली है।

गठबंधन के उम्मीदवार एडवोकेट अभिजीत वंजारी की शानदार जीत का ऐलान होते ही पूरे विदर्भ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया।

२९ अक्टूबर गुरुवार दोपहर गोंदिया में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने सड़क पर उतरकर जबरदस्त विजय उत्सव मनाया। शहर के मुख्य चौक पर एकत्र हुए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इसके बाद पूरा इलाका 'कैसा हराया...बढ़ा मज़ा आया' और राहुल गांधी के समर्थन वाले गगनभेदी नारों से गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर आतिशबाजी की और राहगीरों व एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी।

जश्न में शामिल नेताओं ने इस जीत को लोकतंत्र और आम स्नातकों की आवाज करार दिया। उन्होंने कहा कि बैलेट पेपर पर हुए इस चुनाव में शिक्षित युवाओं और आम स्नातकों ने सत्तारूढ़ नीतियों के खिलाफ मतदान कर बदलाव की मुहर लगाई है।

इसी जनसमर्थन के दम पर महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है।

इस शक्ति प्रदर्शन व जश्न के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमर वराडे, नगराध्यक्ष सचिन शेंडे,सुनिल तिवारी, विजय रगड़े, क्रांतिकुमार जायसवाल, अमर रंगारी, सुनिल भालेवारे, छबुताई उके, अजय अग्रवाल, राजकुमार पटले, मनिष मेश्राम, आलोक मोहंती, मनिष चौहान, अमन तिगाला, आनंद लांजेवार, विजय बोरकर, योगेश अग्रवाल, ओम पारधी, नितीन पटले, रंजीत गणवीर, जीवन शरणागत, सहित बड़ा संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राज्यस्तरीय नेटबॉल स्पर्धा में श्री गुरुनानक स्कूल के १२ खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

नगर संवाददाता

गोंदिया। खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर सफलता की ओर कदम बढ़ाते हुए श्री गुरुनानक इंग्लिश स्कूल, गोंदिया के १२ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने राज्यस्तरीय नेटबॉल स्पर्धा में सहभागिता करने का गौरव हासिल किया है।

इन खिलाड़ियों के चयन से विद्यालय में हर्ष का माहौल है।

विद्यालय के प्राचार्य एवं खेल शिक्षिका ने खिलाड़ियों का सत्कार कर उन्हें प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

राज्यस्तरीय नेटबॉल स्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में कार्तिक सहारे, समर्थ सहारे, अपूर्व नागपुरे, प्रज्वल केवट, अनुज बघेले, अनय पांढरे, कृष्णा नेवारे, जयेश कोरे, शेषांग श्रीवास, रुद्र पांढरे, चित्रांश यादव एवं विपुल नंदागवली का समावेश हैं।

इस अवसर पर पंजाबी शिक्षण समिति के अध्यक्ष सरदार जसजीतसिंह भाटिया, सचिव इकबालसिंह होरा, उपाध्यक्ष मनदीपसिंह भाटिया तथा कोषाध्यक्ष इंद्रपालसिंह रेनू का मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी रहा। इंग्लिश हाईस्कूल एवं जूनियर कॉलेज की प्रशासक व प्राचार्य महेरुख शेख, इंग्लिश प्राथ. स्कूल की मुख्याध्यापिका सुषमा गुरनानी, हिंदी हाईस्कूल के मुख्याध्यापक विभूति श्रीवास्तव, प्राथ. स्कूल की मुख्याध्यापिका नमिता बघेले तथा खेल शिक्षिका शालिनी रंगारी ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

मोपेड चोरी

गोंदिया। शहर के सेठ सूरजमल बगीचा, मालवीय वार्ड निवासी फिर्यादी सौ. रागीनी कैलाश अंदानी (४५) के पति कैलाश ने २६ अक्टू. के शाम ७.३० बजे के लगभग होंडा कम्पनी की सिलवर रंग की मोपेड नगर परिषद चाल स्थित गोदाम व दुकान के पास खड़ी की थी, लेकिन ८.३० बजे मोपेड वहां से नदारद थी, किसी अज्ञात ने मौका पाकर दुपहिया वाहन चोरी कर लिया। इस संदर्भ में फिर्यादी महिला ने २८ अक्टू. को गोंदिया शहर थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ अ.क्र. ९५२/२६ की धारा ३०३ (२) के तहत मामला दर्ज कराया है। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

नाली के गड्ढ़े में मिला शव

अपराध संवाददाता

गोंदिया। नवेगांवबांध थाना क्षेत्र के पवनीधाबे गांव में बिरसा मुंडा चौक के पास सामने सड़क निर्माण के लिए खोदी गई नाली में २७ अक्टू. के सुबह ११ बजे एक व्यक्ति का शव पाया गया। मृतक की शिनाख्त श्रीराम डोकुजी दर्रा (५५ निवासी पवनीधाबे) के रुप में की गई।

संभावना जतायी जा रही है कि, खोदी गई नाली के गड्ढे में गिरने से उनकी मृत्यु हुई होगी। बहरहालपुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तबीयत बिगड़ी और मौत

गोंदिया। तिरोड़ा तहसील के ग्राम बिजईटोला निवासी मनिष तेजलाल मडावी (३५) यह २६ अक्टू. के सुबह ९ बजे अपनी बाइक पर सवार होकर कवलेवाड़ा से गंगाझरी की ओर मजदूरी के काम पर जा रहा था, कि खैरबोड़ी से गुमाधवड़ा के बीच रास्ते में अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह सड़क पर गिर पड़ा और तत्काल ही युवक की मौत हो गई।

घटना की जानकारी फिर्यादी अक्षय अशोक परतेती (२३ निवासी कवलेवाड़ा) ने जिसके आधार पर पुलिस ने धारा १९४ के तहह मर्ग दर्ज कर लिया है।

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल होने गुजरात रवाना हुआ ५० नागरिकों का प्रतिनिधिमंडल

कभी दहशत का साया, अब राष्ट्रीय एकता का संदेश!

नगर संवाददाता

गोंदिया। कभी नक्सलवाद के साये में रहने वाले गोंदिया जिले के नागरिक अब देश की राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाले ऐतिहासिक समारोह के विशेष अतिथि बनेंगे। संघर्ष से शांति और विकास की ओर बढ़ते गोंदिया जिले के लिए यह गौरव का क्षण है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की १५१वीं जयंती के अवसर पर ३१ अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर, केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में आयोजित होने वाले भव्य राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए गोंदिया जिले के ५० नागरिकों का प्रतिनिधिमंडल गुजरात रवाना हुआ है।

देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता का संदेश देने वाले इस राष्ट्रीय समारोह में केंद्र सरकार की विशेष पहल के तहत पूर्व नक्सल प्रभावित जिलों के नागरिकों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। इस पहल के अंतर्गत महाराष्ट्र के गोंदिया, गड़चिरोली और चंद्रपुर जिलों से ५०-५० नागरिकों के प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित किया गया है।

दो चरणों में गुजरात रवाना

पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के मार्गदर्शन तथा अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के समन्वय में प्रतिनिधिमंडल के गुजरात दौरे की योजना तैयार की गई है।

प्रतिनिधिमंडल के पहले चरण में २७ अक्टूबर को पुलिस निरीक्षक प्रमोद भातनाते, नक्सल सेल, गोंदिया के साथ तीन नागरिकों को गुजरात के एकता नगर भेजा गया। इन नागरिकों का दो दिवसीय गुजरात दर्शन कार्यक्रम जारी है। वहीं, २९ अक्टूबर को पुलिस उपनिरीक्षक श्रीकांत हत्तीमारे और दीपक तरवडे के साथ शेष ४७ नागरिकों को गुजरात के लिए रवाना किया गया।

उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेश शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिनिधिमंडल को रवाना किया।

नक्सलवाद के साये से निकलकर विकास की राह पर

एक समय नक्सलवाद के प्रभाव के कारण गोंदिया जिले के कई क्षेत्रों को भय, असुरक्षा और विकास संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। लेकिन केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की सुरक्षा, विकास तथा पुनर्वास संबंधी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जिले में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है।

दुर्गम एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सड़क, मोबाइल नेटवर्क, बिजली, पानी, शिक्षा, सार्वजनिक परिवहन और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है। इससे ग्रामीण नागरिकों का प्रशासन से संपर्क मजबूत हुआ है और सरकारी योजनाओं का लाभ दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचने लगा है।इस बदलाव में गोंदिया जिला पुलिस द्वारा संचालित 'पुलिस दादालोरा खिड़की' जैसे अभिनव सामुदायिक पुलिसिंग उपक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास का रिश्ता मजबूत करने, युवाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने तथा नक्सलवाद के प्रभाव से समाज को दूर रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों से जिले में शांति और विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है।

नक्सलवाद के उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प से जुड़ा गौरव

केंद्र सरकार ने ३१ मार्च २०२६ तक देश से नक्सलवाद के उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया था।

गृह मंत्रालय की आधिकारिक जानकारी के अनुसार, ३१ मार्च २०२६ को देश को नक्सलमुक्त बनाने का लक्ष्य हासिल होने की घोषणा की गई।

इसी राष्ट्रीय संकल्प की पृष्ठभूमि में पूर्व नक्सल प्रभावित जिलों के नागरिकों को राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित करना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की विभिन्न रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उनकी १५१वीं जयंती पर आयोजित समारोह में गोंदिया जिले के नागरिकों को शामिल होने का अवसर मिलना जिले के लिए गर्व की बात है।

यह यात्रा केवल गुजरात भ्रमण तक सीमित नहीं है, बल्कि शांति, सुरक्षा, विकास, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने कहा कि, नक्सलमुक्त गोंदिया, सुरक्षित गोंदिया और विकसित गोंदिया के संकल्प को साकार करने के लिए जिला पुलिस दल शांति, विश्वास और विकास की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

वृद्ध ने फांसी लगाकर दे दी जान

अपराध संवाददाता

गोंदिया। रावणवाड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम नीलज में एक वृद्ध ने फांसी लगाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर दी।

बताया जाता है कि, ८४ वर्षीय भैय्यालाल किशनलाल पाचे यह २७ अक्टूबर के सुबह दासगांव में बाजार करने के लिए घर से निकला था, लेकिन घर वापस नहीं लौटा।

चिंतित परिजनों ने जब उसकी तलाश शुरू की तो निलज के जंगल में २८ अक्टूबर के सुबह११ बजे उसका शव एक पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकता हुआ पाया गया। वृद्ध ने खुदकुशी क्यों की? यह समाचार लिखे जाने तक ज्ञात नहीं हो सका है।

बहरहाल फिर्यादी शिवकुमार जियालाल हरिणखेड़े (५५) की रिपोर्ट पर रावणवाड़ी पुलिस ने मर्ग क्र. ३६/२६ की धारा १९४ के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

संपादकीय

आत्मनिर्भरता का नया सोपान

जब पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ते तापमान, बदलते मौसम और ऊर्जा असुरक्षा के दोहरे संकट से जूझ रही है, तब भारत ने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का एक ऐसा रास्ता चुना है, जो आने वाले दशकों में उसकी आर्थिक और रणनीतिक ताकत की बुनियाद बन सकता है। पिछले १२ वर्षों में देश का ऊर्जा परिदृश्य जिस तेजी से बदला है, वह सिर्फ बिजली उत्पादन के आंकड़ों में बढ़ोतरी की कहानी नहीं है। यह आत्मनिर्भरता का एक नया सोपान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक साथ कई मोर्चों पर ऊर्जा परिवर्तन की शुरुआत की है। सौर और पवन ऊर्जा का तेज विस्तार, रूफटाप सोलर, पीएम-कुसुम, पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना, बड़े सोलर पार्क, आफशोर विंड प्रोजेक्ट, बैटरी स्टोरेज और ग्रीन हाइड्रोजन- ये सभी एक ऐसी व्यापक ऊर्जा रणनीति का हिस्सा हैं, जिसका लक्ष्य केवल कार्बन उत्सर्जन घटाना नहीं, बल्कि भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता ३०० गीगावाट का आंकड़ा पार कर चुकी है। सौर और पवन ऊर्जा इसके सबसे बड़े आधार हैं और कुल स्थापित बिजली क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी ५५ प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। भारत को अंदाजा है कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल देश में बिजली की मांग में और तेज वृद्धि होना तय है। हालांकि भारत की ऊर्जा नीति केवल नवीकरणीय ऊर्जा पर निर्भर रहने की नीति नहीं है। देश को २४ घंटे भरोसेमंद बिजली की जरूरत है। यहां आकर थर्मल पावर और परमाणु ऊर्जा का पलड़ा थोड़ा भारी हो जाता है, लेकिन भारत की रणनीति पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा को एक-दूसरे के विकल्प के रूप में देखने के बजाय एक संतुलित ऊर्जा मिश्रण तैयार करने की है। कोयला और परमाणु ऊर्जा से स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, दूसरी ओर सौर और पवन ऊर्जा का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। यह दृष्टिकोण भारत के ऊर्जा परिवर्तन को व्यावहारिक बनाता है। क्योंकि केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। चुनौती यह भी है कि जब सूरज नहीं निकले या हवा की गति कम हो, तब भी घरों, अस्पतालों, उद्योगों, रेलवे, परिवहन और तेजी से बढ़ते डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को बिजली मिलती रहे। इसी वजह से बैटरी एनर्जी स्टोरेज, पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज, स्मार्ट ग्रिड और डिजिटल ऊर्जा प्रबंधन जैसी तकनीकों पर जोर बढ़ रहा है। सोलर पंप किसानों को सिंचाई के लिए दिन के समय भरोसेमंद बिजली उपलब्ध कराने के साथ डीजल पर निर्भरता घटाते हैं। वहीं अनुपयोगी या कम उपयोग वाली जमीन पर सोलर प्लांट लगाने वाले किसान अतिरिक्त बिजली ग्रिड को बेचकर आय का नया स्रोत तैयार कर सकते हैं। ऊर्जा परिवर्तन किसाना को 'ऊर्जादाता' बनने का भी अवसर दे रहा है। यह बदलाव सिर्फ कृषि तक सीमित नहीं है। शहरों में रूफटाप सोलर ने मध्यवर्गीय परिवारों के लिए बिजली की लागत कम करने का रास्ता खोला है। पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के जरिए घरों की छतों को छोटे ऊर्जा केंद्रों में बदलने की दिशा में काम हो रहा है। भारत के सामने बड़ा सवाल केवल यह नहीं है कि कितनी सौर या पवन ऊर्जा पैदा की जा सकती है। असली चुनौती यह है कि इस ऊर्जा को जरूरत के समय कैसे उपलब्ध कराया जाए। सौर ऊर्जा दिन में अधिक पैदा होती है, जबकि बिजली की मांग निरंतर बनी रहती है। पवन ऊर्जा भी मौसम और हवा की गति पर निर्भर करती है। ऐसे में बैटरी स्टोरेज, पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज, स्मार्ट ग्रिड, एआइ आधारित ग्रिड प्रबंधन और डिजिटल ऊर्जा प्रणालियां भविष्य की ऊर्जा व्यवस्था के लिए निर्णायक साबित होंगी। इसी क्षेत्र में भारत के शोध संस्थान, स्टार्टअप, निजी उद्योग और सरकारी एजेंसियां मिलकर स्वदेशी समाधान विकसित करने की कोशिश कर रही हैं। लक्ष्य साफ है- रिन्यूएबल एनर्जी की हिस्सेदारी बढ़े, लेकिन बिजली ग्रिड की स्थिरता और विश्वसनीयता से कोई समझौता न हो। इस पूरी यात्रा को केवल 'ग्रीन एनर्जी' के चश्मे से देखना शायद इसकी सबसे बड़ी तस्वीर को छोटा कर देगा। इसका सामाजिक असर भी उतना ही महत्वपूर्ण है। गांवों में भरोसेमंद बिजली से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल कनेक्टिविटी और ग्रामीण उद्यमों को गति मिलती है। विकेंद्रीकृत ऊर्जा प्रणालियां स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के नए अवसर पैदा कर सकती हैं। वैसे भी आने वाला दशक उन देशों के लिए निर्णायक होगा, जो आर्थिक विकास को बनाए रखते हुए बड़े पैमाने पर स्वच्छ ऊर्जा पैदा कर सकेंगे। भारत ने इस दौड़ में अपनी दिशा तय कर ली है। चुनौती इस गति को बनाए रखने, भंडारण को मजबूत करने, घरेलू विनिर्माण को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों को व्यावसायिक रूप से सफल बनाने की है।

देश में पहली बार बैटरी से १००० मे.वा. बिजली सप्लाई

महावितरण की सफलता

संवाददाता

नागपुर। महावितरण ने सोलर एनर्जी जेनरेशन स्कीम में बनी एक्स्ट्रा बिजली को दिन में खेती के पंपों को बिजली सप्लाई करने, मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना २.०, साथ ही ग्रिड से मिलने वाली सस्ती सोलर एनर्जी को बैटरी में स्टोर करके और शाम को बिजली की ज़्यादा डिमांड के समय इस्तेमाल करके १००० मे.वा. का माइलस्टोन हासिल किया है। देश में पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में बिजली डीसेंट्रलाइज़्ड तरीके से बैटरी का इस्तेमाल करके सप्लाई की जा रही है और राज्य में सूखे की स्थिति के कारण बढ़ी हुई बिजली की डिमांड के समय यह बिजली सप्लाई बहुत काम आई है, यह जानकारी मुख्यमंत्री के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और महावितरण के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर लोकेश चंद्र ने दी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की गेम-चेंजर स्कीम मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना २.० राज्य में लागू की जा रही है। इस स्कीम के तहत अब तक करीब ७ हजार चथ कैपेसिटी वाले डीसेंट्रलाइज्ड सोलर एनर्जी जेनरेशन प्रोजेक्ट शुरू किए जा चुके हैं। इन प्रोजेक्ट से बनी बिजली खेती के पंपों को सप्लाई की जाती है। महावितरण ने बैटरी में एक्स्ट्रा बिजली स्टोर करने और शाम को पीक बिजली डिमांड के दौरान देने के लिए बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम स्कीम शुरू की है, जिसे हाल ही में ५०० चथ की बैटरी स्टोरेज कैपेसिटी के साथ लागू किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर शुरू की गई बैटरी स्टोरेज स्कीम का फायदा सभी बिजली कंज्यूमर्स को मिल रहा है।

एल नीनो के असर की वजह से बारिश कम हुई है और जिसकी वजह से अक्टूबर महीने में गर्मी की लहरें ज्यादा महसूस हो रही हैं। इस वजह से बिजली की ज्यादा डिमांड है। सोलर एनर्जी दिन में काफी और किफायती बिजली सप्लाई कर रही है। शाम को सोलर एनर्जी की सप्लाई बंद होने के बाद बिजली सप्लाई के लिए ज़्यादा रेट पर बिजली खरीदनी पड़ती है। ऐसे में महावितरण की पहल पर शुरू किए गए १००० चथ कैपेसिटी वाले बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट से राहत मिलनी शुरू हो गई है।

महावितरण ने कुल ७५० मे.वा. कैपेसिटी वाला बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट लगाने का प्लान शुरू किया है, जिससे दो-दो घंटे के लिए ७५० मे.वा. बिजली मिलेगी, यानी कुल १५०० मे.वा. घंटे। इसमें से १००० चथ घंटे का काम पूरा हो चुका है। बाकी काम दिसंबर के आखिर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके अलावा, ४००० चथ घंटे कैपेसिटी वाला प्रोजेक्ट लगाने का काम चल रहा है। इस प्रोजेक्ट के दो फायदे हैं: शाम को पीक डिमांड के दौरान बिजली की गारंटी और मार्केट प्राइस के मुकाबले बहुत सस्ते रेट पर बिजली मिलना। इस स्कीम का सबसे ज़्यादा फायदा आने वाली गर्मियों में होगा।

महावितरण देश की पहली पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी है जिसने डीसेंट्रलाइज़्ड डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क से कनेक्टेड १००० मे.वा. घंटे की कैपेसिटी वाला बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट शुरू किया है। राज्य में कुल ५० जगहों पर १० चथ कैपेसिटी के बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में एक बड़ा कदम है। इनसे रिन्यूएबल एनर्जी से बनी बिजली को स्टोर करना और पीक डिमांड के दौरान इसका इस्तेमाल करना मुमकिन हो पाता है।

शरद पूर्णिमा पर 'चाँद के पार चलो' नाटिका

राजस्थानी महिला मंडल का आयोजन

संवाददाता

काटोल। राजस्थानी महिला मंडल, काटोल के तत्वावधान में शरद पूर्णिमा (कोजागिरी) के पावन अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल की अध्यक्ष सुशीला अग्रवाल एवं सचिव ज्योति केला की उपस्थिति में 'चाँद के पार चलो' नामक सुंदर नाटिका का मंचन किया गया। नाटिका के माध्यम से दर्शकों को चाँद के साथ चारों युगों की मनोरम यात्रा कराई गई।

नाटिका की लेखिका एवं मुख्य निर्देशिका सौ। पूजा नबीरा थीं, जबकि सह-निर्देशिकाओं के रूप में सौ. सुधा राठी, सौ. राधा जोशी एवं सौ. दीप्ति डागा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नाटिका में सतयुग के अंतर्गत समुद्र मंथन एवं माँ लक्ष्मी के प्राकट्य का दृश्य प्रस्तुत किया गया। त्रेतायुग में रावण वध एवं भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन को दर्शाया गया। द्वापरयुग में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर महारास तक की मनमोहक झलक दिखाई गई।नाटिका को सफल बनाने में रेखा भूतड़ा, चंचल नबीरा, परिधि माहेश्वरी, नंदिनी नबीरा, तोषी व्यास, मधुर सावल, प्रिया, राजवीर, कोमल नबीरा, पिंकी प्रियंका, संध्या गुप्ता, नेहा बीसानी, हेमा दरक, श्वेता भूतड़ा, शीतल वर्मा, हर्षा भूतड़ा, कल्पना राठी सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में मनोरंजन के लिए वन मिनट गेम का आयोजन किया गया। कोजागिरी कार्यक्रम को सफल एवं यादगार बनाने में वंदना नबीरा, वर्षा टावरी, सुनीला अग्रवाल, छाया टावरी, नीलिमा चांडक, अर्चना शर्मा, पूजा चांडक, करुणा बीसानी, प्राची अग्रवाल, राजश्री भूतड़ा , चंचल दम्मानी, सावल , लक्ष्मी दम्मानी, ललिता गांधी सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

नागपुर मंडल में पेंशनभोगियों के लिए विशेष शिविर आयोजित

संवाददाता

नागपुर। देशव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान ५.० का आयोजन १ से ३० नवंबर २०२६ तक किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत मध्य रेल के नागपुर मंडल में पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों को डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए १७ स्थानों को चिन्हित किया गया है। इनमें काटोल, आमला, जुन्नारदेव, बैतूल, वर्धा, धामनगांव, वरोरा, चंद्रपुर एवं बल्लारशाह सहित अन्य स्थान शामिल हैं।

अभियान के तहत विशेष सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से २८ अक्टूबर २०२६ को ८० वर्ष एवं उससे अधिक आयु के पेंशनभोगियों के लिए नागपुर स्थित कार्मिक शाखा के पास अनुभाग तथा मंडल रेल चिकित्सालय, नागपुर में विशेष शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों का आयोजन भारतीय स्टेट बैंक (डइख), मुख्य शाखा के सहयोग से किया गया, ताकि वरिष्ठ पेंशनभोगियों को डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा करने में सुविधा मिल सके।

मंडल रेल चिकित्सालय, नागपुर में प्रातः १०:०० बजे से आयोजित चिकित्सा शिविर में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. निर्मला गुप्ता, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी रमेश अय्यर तथा मंडल कार्मिक अधिकारी एस. एल. मनवतकर उपस्थित रहे। इस अवसर पर चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों एवं कार्मिक विभाग के कर्मचारियों ने भी सहभागिता की। नागपुर मंडल के अन्य चिन्हित स्थानों पर भी चिकित्सा विभाग के समन्वय से शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक पेंशनभोगियों को इस अभियान का लाभ मिल सके।

यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक विनायक गर्ग के निर्देशन तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री ए। के। पिंगले के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य रेल पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों को डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की प्रक्रिया सरल, सुविधाजनक एवं सुलभ बनाना है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान की २३वीं किस्त का आज वितरण

संवाददाता

वर्धा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अगस्त से नवंबर अवधि की २४ वीं किस्त का वितरण पात्र लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में बनासकांठा, गुजरात से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों ३० अक्टूबर को किया जाएगा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के लाभार्थी किसानों को अगस्त से नवंबर की २४वीं किस्त का देय लाभ जिले के कुल १,२९,४४४ लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में कुल २५ करोड़ ८८ लाख ८८ हजार रुपये की राशि बनासकांठा, गुजरात से ऑनलाइन समारोह में वितरित की जाएगी। योजना की २५वीं किस्त से किसान पहचान पत्र (फार्मर आईडी) अनिवार्य किया गया है और किसान पहचान पत्र नहीं होने वाले किसानों को पीएम किसान योजना की २५वीं किस्त से लाभ नहीं दिया जाएगा, इसका ध्यान रखें। इस समारोह का सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र, सेलसुरा, ग्राम पंचायत स्तर से तथा तहसील के गांव-गांव में कृषि विभाग द्वारा मंडल कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक, कृषि सहायक ने आयोजित किया है।

महाराजबाग में मादा तेंदुआ की मौत

नागपुर। महाराजबाग जू में गुरुवार सुबह मादा तेंदुआ की अचानक मौत हो गई। जांच में मौत का कारण हृदय और श्वसन क्रिया बंद होना (कार्डियो-रेस्पिरेटरी फेल्योर) बताया गया है। तेंदुए की उम्र १९ वर्ष थी। महाराजबाग जू के प्रभारी अधिकारी डॉ. सुनील बावस्कर के मार्गदर्शन में नागपुर पशु वैद्यकीय महाविद्यालय के पशु विकृतिशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. प्रशांत सोनकुसले और महाराजबाग के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अभिजीत मोटघरे ने शवविच्छेदन किया। जानकारी के अनुसार इस मादा तेंदुआ को ८ जनवरी २००९ को चंद्रपुर के जंगल से महाराजबाग प्राणी संग्रहालय लाया गया था। गुरुवार सुबह उसकी अचानक मौत हो गई।

दिवाली पर्व के लिए तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन विशेष ट्रेन का संचालन

नागपुर। दिवाली पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए ट्रेन संख्या ०६०७३/०६०७४ तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल एक्सप्रेस स्पेशल का संचालन दोनों दिशाओं में तीन-तीन फेरों के लिए किया जाएगा। इस विशेष ट्रेन के नागपुर एवं बल्लारशाह स्टेशनों पर ठहराव से नागपुर मंडल के यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध होगी।

ट्रेन संख्या ०६०७३: तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस स्पेशल तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से सोमवार, २,९ एवं १६ नवंबर २०२६ को तीन फेरों में रवाना होगी। नागपुर में बुधवार रात १:०० बजे आगमन तथा रात १:०५ बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या ०६०७४: हजरत निजामुद्दीन-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल एक्सप्रेस स्पेशल यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से गुरुवार, ५,१२ एवं १९ नवंबर २०२६ को तीन फेरों में रवाना होगी। इसका नागपुर में शुक्रवार सुबह ३:४५ बजे आगमन तथा सुबह ३:५० बजे प्रस्थान होगा।

बुजुर्गों ने जाना सक्रिय जीवन का महत्व

स्नेह सदन वृद्धाश्रम, उंटखाना में हुआ आयोजन

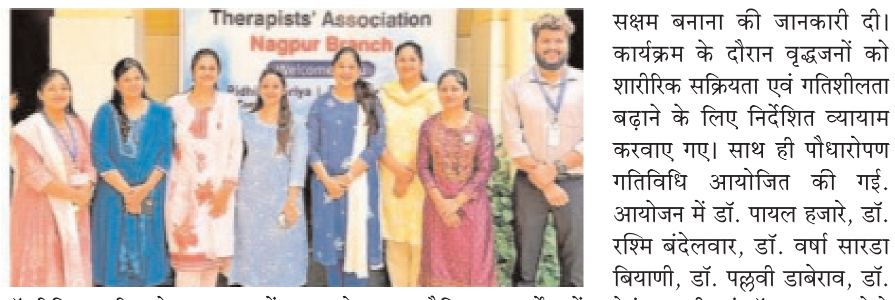

नागपुर। विश्व व्यावसायिक चिकित्सा दिवस २०२६ के अवसर पर अखिल भारतीय व्यावसायिक चिकित्सक संघ की नागपुर शाखा ने शा. वैद्यकीय महाविद्यालय एवं अस्पताल के व्यावसायिक चिकित्सा विद्यालय एवं केंद्र के सहयोग से स्नेह सदन वृद्धाश्रम, उंटखाना में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। सिस्टर इडा ने व्यावसायिक चिकित्सा टीम के कार्यों की सराहना की। संयोजक डॉ. रिद्धि कटारिया ने वृद्धावस्था में व्यावसायिक चिकित्सा की भूमिका बताते हुए दैनिक कार्यों में आत्मनिर्भरता और जीवन की गुणवत्ता सुधारने पर जोर दिया। सह-संयोजक डॉ. अश्विनी दहाट ने इस वर्ष की थीम सक्रिय सहभागिता को सक्षम बनाना की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान वृद्धजनों को शारीरिक सक्रियता एवं गतिशीलता बढ़ाने के लिए निर्देशित व्यायाम करवाए गए। साथ ही पौधारोपण गतिविधि आयोजित की गई. आयोजन में डॉ. पायल हजारे, डॉ. रश्मि बंदेलवार, डॉ. वर्षा सारडा बियाणी, डॉ. पल्लवी डाबेराव, डॉ. हेमंत गवली एवं डॉ. ममता नरवरे ने सहयोग किया।

८६,००० करोड़ बिल बकाया

नागपुर। महाराष्ट्र में ठेकेदारों की आर्थिक स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में ठेकेदारों के लगभग ८६,००० करोड़ रुपये के बिल पिछले डेढ़ साल से लंबित पड़े हैं। बकाये के भुगतान की मांग को लेकर और सरकार का ध्यान खींचने के लिए अब राज्य के लगभग ३ लाख ठेकेदार और उनसे जुड़े करोड़ों कर्मचारी कैबिनेट बैठक वाले दिन सीधे मंत्रालय में फोन करके सरकार से जवाब मांगेंगे। महाराष्ट्र राज्य ठेकेदार महासंघ एवं सहयोगी संगठनों के प्रदेश अध्यक्ष इंजी. मिलिंद भोसले, विभागीय अध्यक्ष मंगेश आवले, प्रकाश पालरेचा, अनिल पाटिल, सुरेश कडू पाटिल, प्रकाश पांडव, महासचिव राजेश देशमुख, दीपेश कोलुरवार, समीर शेख, कांतिलाल डुबल, अश्विन पवार, रोहित देशमुख, कार्यकारी अध्यक्ष शरद पाटिल और आनंद तोडकरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने इस आंदोलन की जानकारी दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछली डेढ़ साल से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में ८६,००० करोड़ रुपये के बिल बकाया हैं। इसमें सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की तरफ २७,००० करोड़ रुपये, जल जीवन मिशन में ३८,००० करोड़ रुपये, आदिवासी विकास विभाग में १२,००० करोड़ रुपये, ग्राम विकास विभाग की तरफ ३,५०० करोड़ रुपये, पर्यटन विभाग में २,५०९ करोड़ इसके अलावा जल संसाधन, जल संरक्षण और नगर विकास विभाग में भी बड़ी राशि बकाया बताई जा रही है। महाराष्ट्र राज्य ठेकेदार महासंघ के अनुसार पिछले एक साल में मानसिक और आर्थिक तनाव के कारण लगभग ९ से १० ठेकेदारों ने आत्महत्या की है। महासंघ, राज्य अभियंता संघ और महाराष्ट्र राज्य जलापूर्ति ठेकेदार संघ लगातार धरना-प्रदर्शन, मोर्चा और मंत्रियों से मुलाकात कर अपनी गुहार लगा चुके हैं। मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक के लिए १० बार लिखित निवेदन दिया जा चुका है लेकिन ठेकेदारों का

राज्य में ३ लाख ठेकेदार मंत्रालय में करेंगे 'फोन-इन' आंदोलन

आरोप है कि सरकार के पास इस संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा करने का समय तक नहीं है। दिवाली में अब केवल ८ दिन बचे हैं। ठेकेदारों का कहना है कि विभिन्न चुनावों जिला परिषद, नगर निगम, शिक्षक स्नातक क्षेत्र के खर्च, जनप्रतिनिधियों व कर्मचारियों के वेतन और भते सब हो चुके हैं लेकिन जब ठेकेदारों के बकाये की बात आती है तो शासन के पास फंड न होने का हवाला दिया जाता है। स्थिति यह है कि कोई भी मंत्री या सचिव फोन उठाने या इस मुद्दे पर जवाब देने का साहस नहीं दिखा रहा है, इसलिए सरकार की इस बेरुखी से नाराज ठेकेदारों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। विभिन्न जिलों से लाखों ठेकेदार एक ही समय पर कैबिनेट बैठक वाले दिन मंत्रालय में फोन करेंगे और सीधे सवाल पूछेंगे कि 'क्या हमारे बकाये बिलों का भुगतान किया जाएगा या नहीं?'

पेज १ का शेष

मोदी ने...

से पशुओं की नस्ल सुधारने पर काम होगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की २४वीं किस्त इस दौरे का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके तहत ९.३४ करोड़ से अधिक किसानों के खातों में १८,६८० करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी जा रही है। यह रकम सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा होगी।

ईमानदार कल्लू...

पिछले कुछ दिनों से प्रमोद भागचंदानी के खिलाफ लगातार दर्ज हो रहीं शिकायतों से कल्लू के दुश्मन को हिम्मत मिली और उसने प्रमोद भागचंदानी के खिलाफ अपने इलाके के थाने में शिकायत दे दी। इसकी भनक लगते ही कल्लू घबरा गया और उसने स्वयं को बचाने के लिए हाथ-पैर मारना शुरू किया। इसके लिए उसे मोटी राशि बिनावजह गिननी पड़ी अंततः शिकायत से कल्लू का नाम हट गया और वह शिकायत भी पता नहीं कहां दब गई!

इसके बाद २ दिन पहले प्रमोद के खिलाफ फिर एक शिकायतकर्ता सामने आया और उसने प्रमोद पर ब्लैकमेलिंग और कल्लू पर सेटिंग कराने का आरोप लग दिया। कल्लू को यह बात पता चली तो वह फिर भागा भागा उस शिकायतकर्ता के पास गया और कुछ लाख की दक्षिणा और शराब की बोतल भेंट में देकर अपना नाम हटवा लिया। अब बेचारा कल्लू इस बात से डरा हुआ है कि पता नहीं कब तीसरा कोई प्रकट हो जाए! सिर मुड़ाते ही ओले पड़े वाली कहावत कल्लू पर लागू होती है। बताते हैं अब अपने फार्महाउस में किसी भी प्रमोद जैसे को आमंत्रित नहीं करने की कसम उसने खाई है।

जान से...

के लिए बुलाया। वहां पहुंचने के बाद उन्हें चारपहिया वाहन में बैठाकर होटल अरोमा ले जाया गया। आरोप है कि होटल में कांग्रेस उम्मीदवार सर्जेराव मोरे (पोहरेगांव निवासी) ने उनसे चुनाव मैदान से हटने और अपना नामांकन वापस लेने के लिए बातचीत की।

बोस्निया में...

हादसे में किसी आम नागरिक को चोट नहीं आई। आसपास की नागरिक संपत्ति, इमारतों और वाहनों को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यूरोपीय संघ के इस शांति मिशन में करीब १,२०० सैनिक तैनात हैं। इसने २००४ में नाटो से बोस्निया में सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली थी। इसका उद्देश्य देश में शांति और सुरक्षा बनाए रखना तथा १९९२ से १९९५ के बीच हुए युद्ध को समाप्त करने वाले शांति समझौते के सैन्य प्रावधानों की निगरानी करना है। यह मिशन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आदेश के तहत काम करता है।

शोपियां में...

इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए १० संदिग्धों को गिरफ्तार किया।

महिला पुलिस...

मोबाइल फोन से वीडियो बना लिया। सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए वीडियो में संबंधित महिला पुलिस कर्मचारी वर्दी में दिखाई दे रही है। मौके पर मौजूद नागरिकों द्वारा पूछताछ किए जाने के दौरान उसके शराब पीने की बात स्वीकार करने का दावा भी वीडियो के आधार पर किया जा रहा है। वीडियो वायरल होते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस प्रशासन ने तत्काल मामले की जानकारी जुटाई और घटना की जांच शुरू की।

एफडीए के...

अधिकारियों को निलंबित किया गया था। अब तंबाकू कंपनी पर अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर की गई छापेमारी का मामला विभाग के लिए एक और बड़ी प्रशासनिक चुनौती बन गया है। इस प्रकरण में वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका सामने आने से विभाग में हलचल मची हुई है। एक ओर एफडीए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, होटल-रेस्तरां और अन्य प्रतिष्ठानों में अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई करता है, वहीं दूसरी ओर विभाग के ही अधिकारियों पर अधिकार क्षेत्र और निर्धारित नियमों का उल्लंघन कर छापेमारी करने के आरोप लगे हैं। ऐसे में अब विभागीय जांच में यह स्पष्ट होगा कि संबंधित अधिकारियों ने किसके निर्देश पर कार्रवाई की और इसके पीछे क्या कारण थे।

सूत्रों के अनुसार, छह अधिकारियों के निलंबन के आदेश जल्द जारी होने की संभावना है। वहीं शेष २० अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। फिलहाल संबंधित अधिकारियों के नाम और उनकी भूमिका को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

भूटान में...

प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयार हैं।' दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिष्ट ने एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए इस घटना को लेकर अलर्ट जारी किया है। उन्होंने संवेदनशील इलाकों में रहने वाले लोगों से एहतियाती कदम उठाने की अपील की है। पोस्ट में लिखा है, 'भूटान के लेमथांग में 'ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड' की घटना हुई है। झील का पानी मो छू नदी से होते हुए संकोश नदी की ओर बह रहा है।

'युगधर्म' मालक, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक अरुण जोशी, देश पब्लिकेशन, ८५, हनुमाननगर, नागपुर-४४०००९ व्दारा मुद्रित तथा ८५, हनुमाननगर, नागपुर-४४०००९ से प्रकाशित। दूरध्वनि : ०७१२-२७४९८०२/०३/०४, २७४१७२४ फैक्स ०७१२-२७०५६३१ , Email :yugdharmanagpur@gmail.com
कार्यकारी संपादक : *राजेश्वर मिश्रा *पी.आर.बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं, उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरूरी नहीं। (सभी मामलों का निपटारा केवल नागपुर न्यायालय में ही होगा।) RNI.No. 1561/57, Post Reg. NP/City/376/2017-2019

परमात्मा एक सेवक मंडल ने मनाई कोजागिरी

संवाददाता

उमरेड। परमपूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल वर्धमान नगर नागपुर अंतर्गत उमरेड शाखा की ओर से २८ अक्तूबर को स्वप्नपूर्ति साकार चर्चा बैठक भवन गिरड रोड उमरेड में कोजागिरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम परमपूज्य जुमदेवबाबा व मां वाराणसी की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नागपुर मंडल के सचिव किरण राऊत ने की। उद्घाटन नागपुर मंडल संचालक तथा उमरेड पालक शाखा संचालक ईश्वर चिचघरे के हाथों किया गया। प्रमुख अतिथि के तौर पर नागपुर मंडल संचालक रवींद्र खापरे की प्रमुखता से उपस्थिति थी।उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया। किरण राऊत, ईश्वर चिचघरे एवं गुणवंता भोयर ने सेवकों को मार्गदर्शन किया।पश्चात उपस्थित सभी सेवकों को दूध वितरित किया गया। बाद में स्नेहभोज कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम को उमरेड पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक धनाजी जलक, हवलदार बालाजी साखरे ने भेंट दी। उनका भी मंडल की ओर से स्वागत किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन विलास तुलसीकर ने किया। आभार मृणाल सहारकर ने किया। कार्यक्रम में उमरेड शाखा कार्यकारिणी अध्यक्ष गुणवंता भोयर, उपाध्यक्ष मिलिंद माकडे, सचिव विलास तुलसीकर, कोषाध्यक्ष नितेश कलंबे, शाखा संचालक विलास लांबट, हर्षल वाघमारे, मृणाल सहारकर, महेश मंगरूलकर, कृष्णा बारई, बापूराव हिंगे, उमरेड सलाहकार समिति के संजय तलेकर, सुनील चिचघरे, मनोज चकोले, पूर्व अध्यक्ष रघुनाथ थोटे, पूर्व सचिव विठोबा बाकडे, पूर्व संचालक धनराज जिभकाटे, मार्गदर्शक मंडल के मधुकर शेंद्रे, कैलास वारे, शेंडे सर, गजानन दुधपचारे, अमृत वंजारी, परसराम खोब्रागडे, पांडुरंग वंजारी, मनोहर झाडे, प्रभाकर मुले, ज्येष्ठ सेवक केशवराव चिचघरे, मानापुरेजी, युवा मंडल अध्यक्ष विनोद गिरडकर, उपाध्यक्ष मयूर चिचघरे, सचिव प्रवीण चकोले, सहसचिव सागर जिभकाटे, संचालक आदर्श सिर्सीकर, राहुल वंजारी, सचिन उमाटे, उमेश बेले, नाना वाघमारे, सतीश थोटे, अरविंद देशमुख, निलेश टाले, विनोद हजारे, निखिल गिरडकर, राजेश देशमुख, ईशान टुले, स्वयंसेवक आशीष हटवार, शुभम कामडी, विक्रम चकोले, प्रकाश वारे, राजेश भेंडे सहित परिसर के सेवक - सेविकाए एवं बाल गोपाल बडी संख्या में उपस्थित थे।

गांवसुत में श्रमदान से बनाया वनराई बंधारा

उमरेड। तहसील के गांवसुत में मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायतराज अभियान अंतर्गत श्रमदान से वनराई बंधारा निर्माण किया गया। आगामी अकाल स्थिति को ध्यान में रखकर गांवसुत ग्रामवासियों ने श्रमदान कर वनराई बंधारा निर्माण कर एक अनोखा कार्य किया। उनके कार्य की तहसील में सराहना की जा रही है। इस अनोखे उपक्रम में ग्राम पंचायत अधिकारी विजय टोणपे, सरपंच सुभाष भोयर, उपसरपंच श्रीकृष्ण पन्नासे, ग्राम पंचायत सदस्य श्यामराव येवले, देवा नान्हे, प्रतीक शिंदे, विठ्ठल वालकटे, कवडू रोटके, सुधाकर गणवीर, सुरेश मंडपे सहित गांव के युवा, महिला व नागरिकों ने एक दिन श्रमदान के लिए दिया।

कविता पाठ और कहानी सुनाने का कार्यक्रम

राष्ट्रीय नेत्रहीन संघ का जगराज दृष्टि साहित्य सम्मेलन

संवाददाता

वर्धा। राष्ट्रीय नेत्रहीन संघ का दो दिवसीय जगगुरु दृष्टि साहित्य सम्मेलन, जो कहानी सुनाने, सेमिनार, व्याख्यान और कविता पाठ जैसी विविध और गुणवत्तापूर्ण गतिविधियों के साथ संपन्न हुआ, एक मधुर गायन समारोह के साथ समाप्त हुआ। स्थानीय स्वाध्याय मंदिर हॉल में आयोजित इस सम्मेलन के पहले सत्र में नागपुर विधि महाविद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. शिरीष देशपांडे की जीवनी पुस्तक 'तमाचा तल दिवे लगा' पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में डॉ। विनीता हिंगे ने संक्षिप्त और प्रभावशाली शब्दों में पुस्तक की भावनाओं को प्रकट किया। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ. शैला शिरीष देशपांडे और भावना खरे ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

दूसरे सत्र में, वरिष्ठ हिंदी कथाकार घनश्याम असुदानी (नागपुर) की अध्यक्षता में आयोजित बहुआयामी कहानी सुनाने के सत्र में रेवानंद मेश्राम (चंद्रपुर), अभिजीत दखोरे (हिंगनघाट), प्रोफेसर डॉ. सुचिता ठाकरे, प्रोफेसर मिनल रोहनकर और साधना उमलकर ने धाराप्रवाह शैली में कहानियां प्रस्तुत कीं। सायंकालीन सत्र में वरिष्ठ ग़ज़ल लेखक एवं साहित्यकार काशीनाथ महाजन (नासिक) की अध्यक्षता में बहुभाषी कवि सम्मेलन हुआ। इस कवि सम्मेलन का रंगारंग संचालन ग़ज़ल लेखक विद्यानंद हडके और प्रवीण कांबले ने किया। कवि सम्मेलन में ज्ञानेश्वर वरहाडे (वाशिम), गंगाधर मुटे (अर्वी चोटी), प्रीति तडस वाडीभस्मे, मंजूषा ठाकरे चौगावकर, कविता बेदारकर, वृषाली मारतोडे, राहुल राऊत, स्वाति सागरे (वर्धा) एडवोकेट उपस्थित थे। इब्राहिम बख्श आजाद, नरेंद्र गांधार (हिंगनघाट), सुरेश सुरजुसे (करणजी काजी), गजल गायक अजीज खान पठान, राजेंद्र कांबले, छत्रपाल तमगाडगे, सुरेश वंजारी, सूर्यकांत मुंघटे, चरणदास वैरागड़े, नरेश पाटिल, शरद कांबले (नागपुर) ने स्तरीय कविताएं और गजलें प्रस्तुत कीं और दर्शकों की सराहना हासिल की। इस अवसर पर सम्मेलन अध्यक्ष संजय इंगले तिगांवकर ने हिंदी कविता भी प्रस्तुत की।

सम्मेलन के दूसरे दिन, फिल्म निर्देशक और नाम फाउंडेशन के समन्वयक हरीश इथापे ने 'आइए मन और मस्तिष्क को खोलें' विषय पर एक प्रेरणादायक भाषण दिया और नवीन विचार प्रस्तुत किए। सम्मेलन के समापन सत्र में, आयोजन समिति के प्रतिभागी साहित्यकारों और कार्यकर्ताओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन का समापन 'सुरसंगम गीतगुंजन' संगीत कार्यक्रम के साथ हुआ। कार्यक्रम में जियाउद्दीन शेख (नागपुर), पूजा शेंद्रे (यवतमाल), लीला लकड़े (चंद्रपुर), प्रशांत देउलकर (वर्धमनेरी) सहित संगीता इंगले, ज्योति भगत, मकरंद उमालकर ने मधुर गीत प्रस्तुत किये।

महाराष्ट्र राष्ट्रीय नेत्रहीन संघ के अध्यक्ष भोजराज पाटिल, महासचिव डी। पी। जाधव, उपाध्यक्ष राजेंद्र देवोरे, कोषाध्यक्ष डी.एन. मार्डे, राष्ट्रीय सचिव जगदीप कावल और सम्मेलन समन्वयक नरेंद्र नरोटे ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किए। दृष्टिबाधित और सामान्य दृष्टि वाले लेखकों को एक साथ लाने वाले वर्धा में आयोजित इस पहले राज्य स्तरीय जागृति दृष्टि साहित्य सम्मेलन ने सामान्य दृष्टि वाले साहित्य जगत का ध्यान आकर्षित किया।

उमरेड में आज मौन श्रद्धांजलि कार्यक्रम

उमरेड। राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आज शुक्रवार ३० अक्तूबर को श्री गुरुदेव सेवाश्रम मंडल नूतन आदर्श महाविद्यालय के सामने बुधवारी पेठ उमरेड में मौन श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम अंतर्गत दोपहर ३।३० बजे राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की प्रतिमा का पूजन किया जाएगा। ३.३० से ४.५० बजे तक भजन गाए जाएगे।४.५५ बजे मौन श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। ५ बजे सामुदायिक प्रार्थना की जाएगी। इस कार्यक्रम में बडी संख्या में उपस्थित रहने की अपील श्री गुरुदेव सेवाश्रम मंडल उमरेड के सेवकों ने की है।

दीपावली में देवी - देवताओं के फोटो छपे पटाखों पर प्रतिबंध लगाए

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने संबंधित प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

उमरेड। दीपावली पर्व हिंदू धर्म का अत्यंत पवित्र व प्रकाश का त्योहार है। इस त्योहार के दरम्यान बाजार में बडे पैमाने पर पटाखों की बिक्री की जाती है। लेकिन कई पटाखों की पाकीट एवं लवंगी पटाखों की लड पर हिंदू देवी - देवताओं जैसे लक्ष्मी माता, विष्णु, कृष्ण की तस्वीर छापी जाती है। यह पटाखे फोडने के बाद देवी - देवताओं की तस्वीरों के टूकडे होकर वे सडक पर,कचरे के डिब्बे एवं लोगों के पैर में कुचले जाते है। जिस कारण हिंदू धर्म के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचती है।

इस पार्श्वभूमि पर बजरंग दल उमरेड प्रखंड एवं सजग नागरिकों की ओर से तहसीलदार, पुलिस निरीक्षक, नगर परिषद उपमुख्याधिकारी,नगराध्यक्षा को विशेष ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में बताया गया कि प्रशासन द्वारा स्थानीय पटाखे विक्रेता एवं व्यापारियों को देवी - देवताओं के फोटो छपे पटाखों की खरीदी बिक्री न करने के कडे आदेश दिए जाए। प्रशासन के साथ नागरिकों को भी जागरूक रहकर ऐसे पटाखे खरीदी ना करने का संकल्प लेने का आवाहन किया गया। इस ज्ञापन द्वारा ऐसे पटाखों की बिक्री पर तत्काल बंदी डालने एवं संबंधितों पर कारवाई करने की मांग की गई।

ज्ञापन सौंपते समय शिष्टमंडल में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल उमरेड जिला सहसंयोजक खुशाल कुबडे, उमरेड प्रखंड सहसंयोजक अनुज समुद्रे, रितीक घुमडे, साहिल धांडे, अनिरुद्ध वाणी, तेजस भोयर, साहिल गजघाटे सहित अन्य हिंदू संगठन, शिवप्रतिष्ठान हिंदुस्तान उमरेड विभाग के कार्यकर्ता बडी संख्या में उपस्थित थे।

निर्मल नगरी में करवा चौथ का आयोजन

नागपुर। सोहम साहित्य कलामंच के तत्वावधान में पारंपरिक करवा चौथ का आयोजन सोल्लास संपन्न हुआ। पंडित पिंटू शर्मा ने पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न करवाई। साथ ही करवा माता की कथा सुनाकर भाव विभोर कर दिया। सुहागिनों ने हर्षोल्लास के साथ करवा चौथ की प्रक्रिया पूर्ण की।

जोश और आनंद के माहौल में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मधु कुंद्रा, पूनम विश्वकर्मा, रितिका सतीजा,मीना राजेश, नीलम सिंह, नीतू मिगलानी, काजल नारंग, प्राची पांडे, आनी सतीजा, रितु मिगलानी आदि का विशेष सहयोग रहा।

भागाबाई ले-आउट में मनाई करवा चौथ

नागपुर। शारदा देवी के आगमन पर खासदार क्रीड़ा महोत्सव के तहत केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की संकल्पना से भागाबाई ले-आउट स्थित विजय तांबे के निवास जरीपटका में भाजपा महिला अघाड़ी अध्यक्ष सीमा मेश्राम के नेतृत्व में करवा चौथ मनाया गया। सैकडों हाथों में मेहँदी लगाई गई। इस कार्यक्रम में नगरसेविका प्रमिला मथरानी, सरिता माने संध्या बेदी, ऊषा किरण शर्मा, राखी मनवटकर, मधु संतवानी, सिमरन शोभवानी, अरुणा तांबे, वार्ड अध्यक्ष जगदीश वंजानी, जय तांबे गिरधारी गुरनानी, अरविंद ठवकर, अजय गायकवाड़, चिराग गोधानी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शब्दवर्गपहेली क्र.- 3935

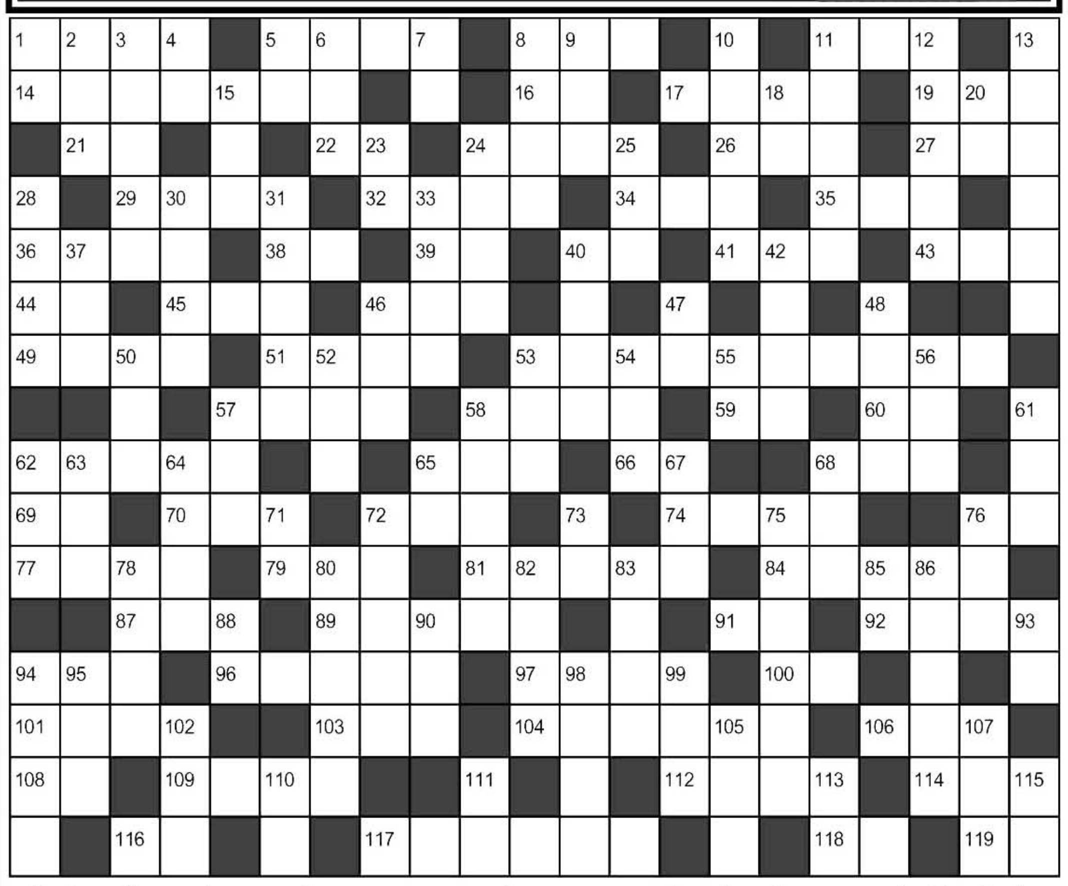

बायें से दायें :— 1) उत्तर प्रदेश का एक शहर जो किसान नेता अजीतसिंह का निर्वाचन स्थल था 5) लाश को जमीन में गाड़ना 8) पुराणों में वर्णित एक नागराज 11) स्वामी 14) पालन करनेवाला ईश्वर (उर्दू) 16) बचा 17) हाथी हांकनेवाला, हाथी की देखभाल करनेवाला 19) बहुत बड़ा, श्रेष्ठ 21) चित्त, अन्तःकरण 22) न्यूनता, अभाव 24) सौदा करनेवाला, व्यापारी 26) किराया 27) योग्य, सक्षम 29) सुबकी लेना 32) सीख, शिक्षा, उपदेश 34) भगवान 35) रक्षा करनेवाला 36) समान सतह का, सपाट 38) आनंद, मस्ती 39) जो बासा न हो 40) 'इन' का एकवचन 41) गरम होना 43) पेन्सिल का लिखा मिटाने का एक साधन 44) नाव के मस्तूल से लगाकर ताना हुआ मोटा कपड़ा 45) ले जानेवाला, वहन करनेवाला 46) यात्रा 49) संतोष, निराकरण, तृप्ति 51) बहुत सम्पन्न, धन सम्पन्न 53) 'तुम मुझे खून दो, मै तुम्हे आजादी दूंगा' ऐसा नारा देनेवाले भारतीय स्वतंत्रता सेनानी. 57) सन्नाटा, उजाड़ 58) जेवर का बहुवचन 59) हमारे प्राचीनतम आद्य ग्रंथ जिनकी संख्या चार बतायी गया है 60) विजय 62) कायम 65) एक तालवाद्य जिसकी ऊपरी भाग पर चमड़ा मढ़ा होता है 66) बेटे या बेटी का बेटा 68) हत्या 69) सप्ताह 70) श्रीरामजी की पत्नी 72) सोना, सुवर्ण 74) खुलेआम, सबके सामने 76) हरदम, प्रतिदिन 77) पागल, विक्षिप्त 79) दौड़ लगानेवाला (अंग्रेजी) 81) प्रशंसा, पक्षपात 84) मस्तक रेखा, भाग्य रेखा 87) युद्ध 89) एक स्थान पर न रहकर अलग अलग स्थानों में रमनेवाला 91) एक पेड़ जिसकी पत्तियां कडुवी रहती है 92) पानी से मैल आदि साफ करना, धोना 94) मुलायम 96) स्वादिष्ट 97) सजीव, शक्तिशाली 100) बाल कहानियों में वर्णित कल्पित पंखवाली सुंदर स्त्री 101) एक मंगल वाद्य 103) तंग करना 104) भेंट करना या उपहार देना इस अर्थवाला एक मुहावरा 106) वेश्या 108) काम, कार्य 109) प्रति माह 112) धर्म 114) त्यागना 116) गेंहू में लगनेवाला कीड़ा 117) उलजलूल 118) दंड 119) रामायण में कुश के भाई

ऊपर से नीचे :— 1) पिता 2) उष्ण 3) हनुमानजी का एक नाम 4) गीला, भीगा हुआ 5) धोखा, विश्वासघात 6) अंतर 7) नापित 8) दुर्घटना 9) सौभाग्य 10) महर्षी वेद व्यासद्वारा रचित एक महाकाव्य 11) हराना अर्थवाला एक मुहावरा 12) जहां कमल के फूल खिले है ऐसा सरोवर 13) गुण आदि में बड़ों से बढ़कर होना अर्थवाला एक मुहावरा 15) तारीख 18) बरगद का पेड़ 20) शोक या दुःखसूचक एक शब्द 23) बारह राशियों में से एक 24) एक लाख 25) धनवान 28) नजदीक, निकट, अड़ोस पड़ोस 30) ताकतवर 31) कीर्ति अर्जित करना 33) एक फल, शरीफा 37) मलबा, टूटी इमारत के ईट, पत्थर आदि 40) एक तारवाला एक वाद्य 42) चुने हुये सदस्यों की सभा, कौन्सिल 46) तुल्य, बराबर 47) पश्चिम बंगाल के एक भूतपूर्व मुख्यमंत्री का कुल नाम 48) रामायण में रावण का पुत्र 50) दौड़ लगानेवाला 52) गायब, गुप्त 53) नकुल, एक जीव 54) विजय प्राप्त करना 55) भूदान आन्दोलन के प्रणेता का कुल नाम 56) कांच का लम्बी गरदनवाला एक पात्र 57) एक कंद जिसे खाने पर खुजलाहट होती है 58) जेब काटनेवाला 61) एक उपदिशा 62) चर्चा, वादविवाद 63) वेग 64) शिवाजी महाराज के एक पुत्र का नाम 65) देह, शरीर 67) तृतीय क्रमवाली 68) सरस्वती 71) तोता 72) कर्मदाता का अपभ्रंश 73) स्वच्छ 75) मुगल बादशाह के लिये प्रयुक्त एक संबोधन 76) निर्मलता, श्रृंगार, सफाई 78) तेल, केले के छिलके आदि पर पैर पड़ने से गिर पड़ना 80) नरसिंह 82) मुसलमान लोग इस महीने में रोजा रखते है 83) कलंकित 85) बूंद बूंद करके गिरने का शब्द 86) गणित का एक विभाग 88) छुट्टी 90) उद्धार करना, पार करना 93) घमंड, अभिमान 94) कोश कर्ता, शब्दकोश कर्ता 95) मात्र, केवल 98) उपहार 99) रुपया–पैसा 102) निष्ठा 105) चांदी 107) आंखो में डाला जानेवाला काला अंजन 110) हवा, पवन 111) पातक 113) पर्याप्त, अब और नहीं 115) किश्ती (जवाब अगले अंक में)

पिछ्ले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

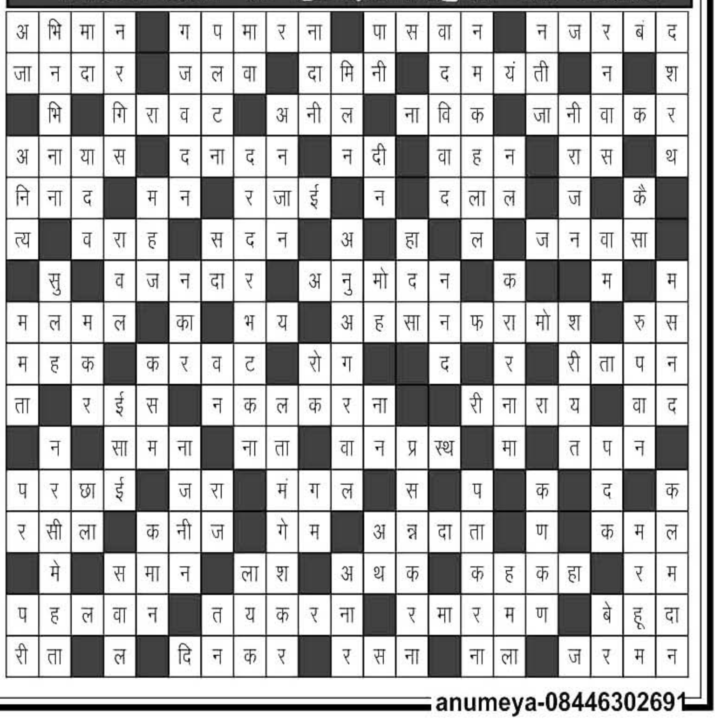

anumeya-08446302691

सहचारिणी बनकर पतिव्रत धर्म का करें पालन : पुष्पादेवी

सुहागिनों ने रखा करवा चौथ का व्रत

_संवाददाता

नागपुर। जरीपटका में सिंधी समाज की सुहागिनों ने करवा चौथ का निर्जल व्रत रखकर पति की दीर्घायु एवं सुस्वास्थ्य की कामना की। वयोवृद्ध ब्राह्मणी पुष्पादेवी शर्मा ने पर्व का माहात्म्य सुनाते हुए कहा कि सनातन धर्म में पति को ही परमेश्वर का दूसरा रूप माना गया है। पत्नी को उनकी सहचारिणी बनकर पतिव्रत धर्म का पालन करना चाहिए। महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक कथा सुनी और चंद्रमा को विधिवत अर्घ्य देकर उपवास समाप्त किया। सफलतार्थ शोभादेवी शर्मा, भाग्यश्री शर्मा, लता मेवानी, निर्मला साधवानी, रेखा कुकरेजा, पलक मलिक, प्रीति खेमानी, सीमा नानूमलानी, गीता मेवानी, गायत्री मोहनानी, जग्यासी, रजनी लालवानी, दर्शना लालवानी आदि ने प्रयास किए।

निधन

चिंतामण आंभोरकर

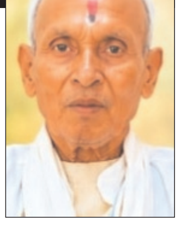

उमरेड। शहर के इतवारी पेठ समर्थ बार समीप निवासी चिंतामण आंभोरकर का वृद्धापकाल से निधन हुआ। वे ८७ वर्ष के थे। अंतिम संस्कार भिवापुर रोड स्थित मोक्षधाम पर किया गया।

भारत की नजर चौथी जीत पर

पांच मैचों की टी२० सीरीज का चौथा मुकाबला आज

ऑकलैंड। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी२० सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। शुरुआती तीनों मैच जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम की नजर अब लगातार चौथी जीत दर्ज करने और सीरीज में ४-० की बढ़त हासिल करने पर होगी। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम घरेलू मैदान पर जीत के साथ वापसी करना चाहेगी। मुकाबले में भारतीय टीम अपनी बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने के साथ गेंदबाजी संयोजन में भी बदलाव कर सकती है।

भारतीय टीम ने मौजूदा सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। बल्लेबाजों के आक्रामक अंदाज ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को लगातार दबाव में रखा है। पिछले मुकाबले में अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से प्रभावित किया, जबकि तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने भी टीम की बल्लेबाजी की गहराई को साबित किया। भारत ने दो मैच शेष रहते ही सीरीज पर कब्जा जमा लिया है। ऐसे में टीम प्रबंधन के पास आगामी मुकाबलों में नए खिलाड़ियों को मौका देने और अलग-अलग संयोजनों को परखने का अवसर है।

कुलदीप और वरुण को मिल सकता है मौका

चौथे टी२० मुकाबले में भारतीय टीम की नजर अपनी बेंच स्ट्रेंथ को परखने पर भी रहेगी। कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को प्लेइंग इलेवन में मौका मिल सकता है। टीम प्रबंधन अक्षर पटेल या शानदार फॉर्म में चल रहे नमन धीर को आराम देने पर विचार कर सकता है। गेंदबाजी में भी भारत के लिए कुछ चिंताएं रही हैं। भुवनेश्वर कुमार ने डेथ ओवरों में सटीक यॉर्कर डालकर प्रभावित किया है, लेकिन इस सीरीज में रन रोकने में उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। वहीं, प्रिंस यादव ने पिछले दो मुकाबलों में मयंक यादव को पीछे छोड़ते हुए अपनी जगह बनाए रखी है। ऐसे में उन्हें एक और मौका मिल सकता है।

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की उपलब्धता भी चर्चा का विषय है। वह एडडक्टर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए थे। अगर वह चौथे मुकाबले में भी उपलब्ध नहीं होते हैं, तो वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर मौका मिल सकता है।

न्यूजीलैंड की मुश्किलें बढ़ीं, गेंदबाजी सबसे बड़ी चिंता

न्यूजीलैंड की टीम के लिए भारतीय बल्लेबाजों को रोकना बड़ी चुनौती बना हुआ है। टीम पहले ही मैट हेनरी के बिना खेल रही है, जबकि तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन पिंडली की चोट के कारण सीरीज से बाहर हो चुके हैं। वेलिंगटन में खेले गए पिछले मुकाबले में भारतीय टीम ने पावरप्ले के दौरान रिकॉर्ड ११८ रन बनाकर न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की कमजोरियों को उजागर कर दिया था। कप्तान मिचेल सैंटनर ने गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन उन्हें दूसरे गेंदबाजों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। ऑकलैंड का ईडन पार्क बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मैदान माना जाता है। ऐसे में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को भारतीय शीर्ष क्रम के सामने अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी।

अभिषेक शर्मा पर रहेंगी खास नजरें

भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इस समय शानदार फॉर्म में हैं। वेलिंगटन में उन्होंने महज ३५ गेंदों में शतक जड़कर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का दम दिखाया था। यह उनका टी२० इंटरनेशनल में चौथा शतक और सभी टी२० मुकाबलों में ११वां शतक था। आंकड़ों के मुताबिक, साल २०२५ की शुरुआत से टी२० में अभिषेक ने २००.६ के स्ट्राइक रेट से १,९८४ रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से १३ अर्धशतक और तीन शतक निकले हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ भी अभिषेक का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। जैकब डफी के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट २२८.३ और काइल जैमीसन के खिलाफ ३३८.१ रहा है। ऐसे में मेजबान टीम के गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना आसान नहीं होगा। स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर भी नजर रहेगी। मिचेल सैंटनर ने संजू सैमसन को सात पारियों में चार बार आउट किया है। वहीं, ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ अक्षर पटेल पांच और कुलदीप यादव पांच में से चार पारियों में उन्हें आउट कर चुके हैं। यदि कुलदीप को मौका मिलता है, तो वह न्यूजीलैंड के मध्यक्रम के लिए चुनौती बन सकते हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथे टी२० मुकाबले के दौरान ऑकलैंड में मौसम ठंडा रहने का अनुमान है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, शुक्रवार को अधिकतम तापमान करीब १८ डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग १३ डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दिन के दौरान बारिश की संभावना करीब ५५ प्रतिशत बताई गई है, हालांकि मैच के समय बारिश की आशंका बेहद कम रहने का अनुमान है। ऐसे में क्रिकेट प्रशंसकों को पूरे मुकाबले का आनंद मिलने की उम्मीद है। शाम से रात के बीच आर्द्रता लगभग ५५ से ७१ प्रतिशत के बीच रह सकती है। नमी के कारण गेंदबाजों, खासकर स्पिनरों के लिए गेंद पर पकड़ बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, मौसम में बदलाव की स्थिति में मैच के दौरान परिस्थितियां प्रभावित हो सकती हैं।

ऑकलैंड का ईडन पार्क न्यूजीलैंड के छोटे मैदानों में गिना जाता है। यहां बाउंड्री अपेक्षाकृत छोटी होने के कारण बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने का अच्छा मौका मिलता है। मौजूदा सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन को देखते हुए यह मुकाबला भी हाई-स्कोरिंग हो सकता है। हालांकि, पिच पर स्पिन गेंदबाजों को भी कुछ मदद मिलने की उम्मीद है। सतह से मिलने वाली पकड़ धीमी गेंदों को प्रभावी बना सकती है। दूसरी ओर, अधिक आर्द्रता के कारण गेंद गीली होने पर स्पिनरों के लिए उसे ग्रिप करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में टॉस, शुरुआती ओवरों में बल्लेबाजी और डेथ ओवरों में गेंदबाजी मैच का रुख तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

मुंबई इंडियंस को नए कप्तान की तलाश!

नई दिल्ली। आईपीएल २०२७ से पहले मुंबई इंडियंस के सामने कप्तानी को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव के बाद अब फ्रेंचाइजी को तय करना है कि टीम की कमान अनुभवी रोहित शर्मा को सौंपी जाए या भारतीय टी२० टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा को भविष्य के कप्तान के रूप में तैयार किया जाए। मुंबई इंडियंस के पास कप्तानी के लिए सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी हैं, लेकिन टीम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती अगले सीजन के साथ-साथ भविष्य की योजना को ध्यान में रखकर फैसला लेने की है। पिछले तीन सीजन से टीम की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या के अगले सीजन में इस भूमिका में बने रहने की संभावना भी कम मानी जा रही है।

रोहित पर फिर भरोसा जता सकती है मुंबई इंडियंस

रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस को अपनी कप्तानी में पांच बार आईपीएल चैंपियन बना चुके हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी के लिए एक बार फिर उन पर भरोसा जताना सबसे सुरक्षित विकल्प हो सकता है।

रोहित अगले साल आईपीएल के दौरान ४० साल के हो जाएंगे। माना जा रहा है कि २०२७ का सीजन मुंबई इंडियंस के साथ बतौर खिलाड़ी उनका आखिरी आईपीएल हो सकता है। इसके बाद वह २०२७ वनडे वर्ल्ड कप के बाद अपने करियर को लेकर फैसला कर सकते हैं। हालांकि, पिछले कुछ सीजन में रोहित को मुख्य रूप से इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। अगर उन्हें दोबारा कप्तानी सौंपी जाती है, तो टीम को प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर के इस्तेमाल में अधिक लचीलापन मिल सकता है। रोहित का अनुभव, दबाव में फैसले लेने की क्षमता और टीम को एकजुट रखने का कौशल मुंबई इंडियंस के लिए अहम साबित हो सकता है। खासकर तब, जब टीम २०२७ के बाद होने वाली मेगा नीलामी से पहले अपने मौजूदा संयोजन के साथ खेल सकती है।

तिलक वर्मा को भविष्य का कप्तान बनाने की तैयारी?

दूसरी ओर, तिलक वर्मा मुंबई इंडियंस के लिए लंबे समय का विकल्प बन सकते हैं। वह फ्रेंचाइजी के भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल हैं और भारतीय टी२० टीम के उपकप्तान भी हैं। तिलक को कप्तानी सौंपने से मुंबई इंडियंस को अगले पांच साल या उससे अधिक समय के लिए नेतृत्व तैयार करने का अवसर मिल सकता है। हालांकि, उनके पास रोहित जैसी कप्तानी का अनुभव नहीं है। ऐसे में एक विकल्प यह हो सकता है कि मुंबई इंडियंस २०२७ के सीजन के लिए रोहित को कप्तान बनाए रखे और तिलक को उनके मार्गदर्शन में नेतृत्व की जिम्मेदारियों के लिए तैयार करे। इसके बाद मेगा नीलामी में तिलक को ध्यान में रखकर टीम का नया संयोजन तैयार किया जा सकता है। इस रणनीति से फ्रेंचाइजी को अनुभव और भविष्य के बीच संतुलन बनाने में मदद मिल सकती है।

मुंबई इंडियंस के नए मुख्य कोच कीरोन पोलार्ड भी कप्तानी के फैसले में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। रोहित की कप्तानी में मुंबई ने जिन पांच खझङ खिताबों पर कब्जा किया, उन सभी अभियानों में पोलार्ड टीम का अहम हिस्सा रहे थे। पोलार्ड ने रोहित की कप्तानी के शुरुआती दौर से लेकर उनके सफलतम वर्षों तक टीम के साथ काम किया है। दोनों के बीच लंबे समय से तालमेल रहा है और उन्होंने कई मुश्किल मुकाबलों में टीम को जीत दिलाने में योगदान दिया है। ऐसे में पोलार्ड के लिए रोहित के साथ काम करना आसान हो सकता है। वहीं, अगर तिलक को कप्तानी मिलती है, तो उन्हें नए नेतृत्व के तहत टीम बनाने और आगामी मेगा नीलामी में खिलाड़ियों के चयन को लेकर अपनी राय रखने का अवसर मिल सकता है।

हार्दिक पांड्या का क्या होगा?

मुंबई इंडियंस के मौजूदा कप्तान हार्दिक पांड्या का भविष्य भी चर्चा का विषय बना हुआ है। आईपीएल से जुड़े सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि हार्दिक के ट्रेड के जरिए दूसरी टीम में जाने की संभावना काफी अधिक है। हालांकि, मुंबई इंडियंस की ओर से अभी तक किसी ट्रेड ऑफर की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आईपीएल से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि अगर हार्दिक के लिए उपयुक्त ट्रेड नहीं मिलता है, तो वह टीम के साथ बने रह सकते हैं और अगले सीजन में अपना पूरा योगदान देंगे। कप्तानी मिले या नहीं, उनकी प्रतिबद्धता में कमी नहीं आएगी। सूत्र के अनुसार, ट्रेड का अंतिम फैसला हार्दिक के हाथ में नहीं, बल्कि मुंबई इंडियंस के प्रबंधन के पास होगा। फ्रेंचाइजी किसी भी प्रस्ताव के फायदे और नुकसान का आकलन करने के बाद ही निर्णय लेगी।

विदर्भ की शानदार जीत

रणजी ट्रॉफी राउंडअप: बारिश के कारण दो मैच ड्रॉ हुए

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में गुरुवार को खेले गए मुकाबलों में बंगाल, मुंबई, सौराष्ट्र, कर्नाटक और विदर्भ ने शानदार जीत दर्ज की। बंगाल ने केरल को २८७ रन से हराया, जबकि मुंबई ने हरियाणा को १० विकेट से शिकस्त दी। सौराष्ट्र और कर्नाटक ने पारी के अंतर से जीत हासिल की, वहीं विदर्भ ने गोवा को पारी और २७ रन से मात देकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। दूसरी ओर, चक्रवात अर्नब के कारण हुई बारिश से दिल्ली-झारखंड और ओडिशा-सर्विसेज के मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए।

मुंबई ने हरियाणा को १० विकेट से हराया

एलीट ग्रुप डी में मुंबई ने तनुष कोटियन की शानदार गेंदबाजी की बदौलत हरियाणा को १० विकेट से हराकर लगातार तीसरी बोनस अंक वाली जीत दर्ज की। कोटियन ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ८१ रन देकर आठ विकेट हासिल किए। पहली पारी में ४३० रन बनाने वाली मुंबई ने हरियाणा को पहली पारी में २७० रन पर आउट कर दिया था। इसके बाद फॉलोऑन खेलते हुए हरियाणा की टीम दूसरी पारी में २५६ रन पर सिमट गई। आठवें विकेट के लिए समंत जाखड़ (४०) और अनुज थरकल (नाबाद ४०) ने ८१ रन जोड़कर मुंबई के गेंदबाजों को काफी देर तक परेशान किया। हालांकि, कोटियन ने जाखड़ को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। मुंबई को जीत के लिए ९७ रन का लक्ष्य मिला, जिसे सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी और दिव्यांश सक्सेना ने बिना विकेट गंवाए १०.४ ओवर में हासिल कर लिया। रघुवंशी ने ३९ गेंदों पर नाबाद ६७ रन बनाए, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल रहे। सक्सेना २५ गेंदों पर ३० रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई ने इस जीत से सात अंक हासिल किए।

विदर्भ ने गोवा को पारी और २७ रन से हराया

ग्रुप ए में विदर्भ ने गोवा को पारी और २७ रन से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ विदर्भ ने १८ अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने दूसरी पारी में ३८ रन देकर चार विकेट लिए। पहली पारी में गोवा की टीम २२० रन पर आउट हुई थी। इसके जवाब में विदर्भ ने ध्रुव शौरी के १६८ रन, अक्षय वाडकर के ६३ और दानिश मालेवार के ५६ रन की मदद से आठ विकेट पर ४४२ रन बनाकर पारी घोषित की। विदर्भ को पहली पारी में २२२ रन की बढ़त मिली। फॉलोऑन खेलते हुए गोवा की टीम दूसरी पारी में १९५ रन पर सिमट गई। मनथन खुटकर ने ७० और शिवेंद्र भुजबल ने ४५ रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन हर्ष दुबे की गेंदबाजी के सामने टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

भारत ने चीन को ५-२ से दी मात

जालंधर। एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी २०२६ में भारतीय हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन को ५-२ से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में टीम इंडिया ने मुकाबले में दमदार खेल दिखाया और लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत की ओर से सुखजीत सिंह और हरमनप्रीत सिंह ने दो-दो गोल किए, जबकि जुगराज सिंह ने एक गोल दागा। चीन की ओर से यांग पेंग और चेन चोंगकोंग ने गोल किए।

भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। टीम को १२वें मिनट में सफलता मिली, जब सुखजीत सिंह ने शानदार गोल दागकर भारत को १-० की बढ़त दिला दी। पहले क्वार्टर में चीन ने बराबरी करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय टीम ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। शुरुआती १५ मिनट का खेल समाप्त होने तक भारत १-० से आगे था।

दूसरे क्वार्टर में चीन ने वापसी की कोशिश तेज कर दी। १७वें मिनट में उसे पेनल्टी के जरिए गोल करने का मौका मिला, लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी। इसके बाद २२वें मिनट में चीन को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर यांग पेंग ने गोल दागकर स्कोर १-१ से बराबर कर दिया। हालांकि, भारतीय टीम ने जल्द ही जवाब दिया।

राशिद खान ने रचा इतिहास

टी२० अंतरराष्ट्रीय में हासिल की बड़ी उपलब्धि

शारजाह। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने शारजाह में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए टी२० मुकाबले में इतिहास रचा। राशिद ने अंतरराष्ट्रीय टी२० में २०० विकेट पूरे कर लिए हैं और ऐसा करने वाले वे दुनिया के पहले गेंदबाज हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले राशिद के १९९ टी२० विकेट थे। मैच के दौरान राशिद ने जिम्बाब्वे के विकेटकीपर बल्लेबाज तदिवानाशे मारुमानी को आउट कर अपने २०० विकेट पूरे किए। मैच में राशिद का यह एकमात्र विकेट था।

टी२० में राशिद के आस-पास भी कोई नहीं

राशिद ने टी२० विकेटों का दोहरा शतक लगाकर इतिहास रचा है। अंतरराष्ट्रीय टी२० में उनके आस-पास कोई नहीं है। दाएं हाथ के इस लेग स्पिनर ने अपने १२०वें मैच में ये उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय टी२० में सर्वाधिक विकेट लेने वाले पांच गेंदबाजों की सूची में राशिद पहले नंबर पर हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद १५३ मैचों में १७१ विकेट लेकर दूसरे, हॉन्गकॉन्ग के एहसान खान ११९ मैचों में १६५ विकेट लेकर तीसरे, न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी १४२ मैचों में १६५ विकेट लेकर चौथे और न्यूजीलैंड के ही टिम साउदी १२६ मैचों में १६४ विकेट लेकर पांचवें स्थान पर हैं।

ओवरऑल टी२० में किस स्थान पर हैं राशिद

ओवरऑल टी२० विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भी राशिद खान पहले स्थान पर हैं। लीग और अंतरराष्ट्रीय टी२० मिलाकर खेले गए कुल ५५१ मैचों में वह ७४१ विकेट ले चुके हैं। भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के नाम है। अर्शदीप सिंह ने १०२ मैचों में १४९ विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले चौथे टी२० में अर्शदीप के पास अपने १५० अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरा करने का मौका है। इस मैच में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर भी अंतरराष्ट्रीय टी२० में १५० विकेट पूरे कर सकते हैं। सेंटनर को भी ये उपलब्धि हासिल करने के लिए सिर्फ एक विकेट की जरूरत है।

मनीषा भानवाला फाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली। सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों का शानदार प्रदर्शन जारी है। मनीषा भानवाला ने ५९ किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में जगह बनाकर भारत के लिए रजत पदक पक्का कर लिया है। वहीं, तनु शर्मा ने ७२ किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। इससे पहले बुधवार को काजल धोचक और नीलम सिरोही ने भी फाइनल में पहुंचकर रजत पदक जीते थे। कजाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में मनीषा भानवाला ने मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखु को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। इस जीत के साथ उन्होंने कम से कम रजत पदक सुनिश्चित कर लिया

शाहिद-ईशान-मीरा ने मचाया दिवाली का धमाल

मुंबई। 'झिंगाट' गाने पर शानदार डांस से लेकर परिवार के मजेदार राज खोलने तक, शाहिद और ईशान ने नेटफ्लिक्स के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीजन ५ में मीरा राजपूत के साथ पहली बार एक साथ आकर खूब धमाल मचाया।

इस दिवाली नेटफ्लिक्स के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीजन ५ में हंसी-मजाक और मनोरंजन का धमाका और भी बड़ा होने वाला है। रोशनी के इस त्योहार को खास बनाने के लिए शो में शाहिद कपूर, मीरा राजपूत और ईशान खट्टर एक खास एपिसोड में नजर आएंगे। 'दो भाई, दोनों तबाही' के नाम से मशहूर दोनों भाइयों की जोड़ी दर्शकों को खूब हंसाएगी। इस एपिसोड में परिवार के मजेदार किस्से, खूब सारी मस्ती और मनोरंजन देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि शाहिद कपूर, मीरा राजपूत और ईशान खट्टर तीनों पहली बार ओटीटी पर एक साथ शो में नजर आएंगे। ऐसे में दिवाली का यह खास एपिसोड दर्शकों के लिए मनोरंजन से भरपूर होगा।

इंडस ऐपस्टोर बना 'फोनपे ऐपस्टोर'

नई दिल्ली। फ़ोनपे ने अपने स्वदेशी ऐप मार्केटप्लेस इंडस मार्केटप्लेस का नाम बदलकर फ़ोनपे ऐपस्टोर करने की घोषणा की।

पूरे भारत में व्यापक रूप से अपनाए जाने वाले इस प्लेटफ़ॉर्म के यूज़र बेस में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक और तेलंगाना शीर्ष पाँच स्थान पर हैं। इसके लगातार बढ़ते ऐप और गेमिंग कैटलॉग में चैटजीपीटी, डुओलिंगो, शेयरचैट और सोनी लिव जैसे लोकप्रिय ऐप्स के साथ-साथ ऑनर ऑफ किंग्स और हिटविकेट जैसे गेम्स शामिल हैं। सोशल, एक्शन और सिमुलेशन गेम्स इस प्लेटफ़ॉर्म की सबसे पसंदीदा कैटेगरीज़ हैं। मोबाइल कंपनियों (ओईएमएस) के साथ पार्टनरशिप की बदौलत आज यह २० करोड़ से भी अधिक डिवाइसेज़ तक पहुँच चुका है।

फ़ोनपे ऐपस्टोर अब केवल ऐप डिस्कवरी तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल गुड्स और सेवाओं के एक संपूर्ण मार्केटप्लेस के रूप में उभर रहा है। अब यूज़र्स ऐप्स और गेम्स के अलावा विभिन्न श्रेणियों के गिफ़्ट कार्ड्स और टॉप-अप्स पर भी आकर्षक ऑफ़र्स का लाभ उठा सकेंगे।

गोदरेज कैपिटल ने नागपुर में बढ़ाई पहुंच

नागपुर। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप की वित्तीय सेवा इकाई गोदरेज कैपिटल ने अपनी सहायक कंपनी गोदरेज हाउसिंग फाइनेंस के माध्यम से महाराष्ट्र में किफायती आवास फाइनेंस कारोबार को मजबूत किया है। कंपनी ने नागपुर में अपनी पहुंच बढ़ाई है। यह कदम राज्य के अधिक संभावनाओं वाले टियर-२ शहरों और उभरते आवासीय बाजारों पर कंपनी के बढ़ते फोकस को दर्शाता है।

नागपुर के तेजी से विकसित हो रहे शहरी केंद्रों में शामिल है। बुनियादी ढांचे के लगातार विकास और आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी से शहर की प्रगति को गति मिल रही है। मिहान (एमआईएचएएन) जैसे प्रमुख विकास गलियारों की इसमें अहम भूमिका है। ये क्षेत्र निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा कर रहे हैं, जिससे आवास की मांग भी बढ़ रही है। इसका सकारात्मक असर आसपास के आवासीय बाजारों पर भी पड़ा है। बेहतर कनेक्टिविटी, बढ़ती कारोबारी गतिविधियों और आबादी में लगातार हो रही वृद्धि से नागपुर में किफायती और मध्यम श्रेणी के घरों की मांग बनी हुई है। इन कारणों से नागपुर महाराष्ट्र के टियर-२ आवासीय बाजारों में एक प्रमुख विकास केंद्र के रूप में उभर रहा है। खासतौर पर पहली बार घर खरीदने वाले और स्व-रोजगार करने वाले ऐसे ग्राहक, जो औपचारिक वित्तीय संस्थानों से आवास ऋण लेना चाहते हैं, इस बाजार के लिए महत्वपूर्ण हैं।

एक्सिस बैंक का पीएचडीसीसीआई और टीटीएजी के साथ समझौता

मुंबई। भारत में निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंकों में शामिल एक्सिस बैंक ने अपने एमएसएमई पोर्टफोलियो के तहत होटल और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के लिए विशेष कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत होटलों और रिसॉर्ट को उनकी जरूरतों के अनुरूप वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बैंक ने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई-पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी विंग) और ट्रैवल एंड टूरिज्म एसोसिएशन ऑफ गोवा (टीटीएजी) के साथ भी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

आज भारत में पर्यटन का दायरा लगातार बढ़ रहा है। अब अधिक संख्या में पर्यटक नए स्थानों की यात्रा कर रहे हैं, प्रत्येक यात्रा पर अधिक खर्च कर रहे हैं और बेहतर ठहरने की सुविधाओं की अपेक्षा रखते हैं। इसके चलते होटल और रिसॉर्ट नए प्रतिष्ठानों, मौजूदा सुविधाओं के नवीनीकरण और मेहमानों के अनुभव को बेहतर बनाने में निवेश कर रहे हैं। इस विकास में मध्यम आकार के और स्वतंत्र रूप से संचालित हॉस्पिटैलिटी कारोबारों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इन कारोबारों को अपनी परिचालन संबंधी जरूरतों के अनुरूप वित्तीय सहायता और बैंकिंग सुविधाओं की आवश्यकता है।

मध्य रेल

ई-टेंडर नोटिस

ई-निविदा सूचना क्रमांक नाग/इलेक्ट/टीआरडी/2026-27/15 दिनांक 24.10.2026 वरिष्ठ मंडल बिजली ईजीनियर (कर्षण वितरण), मध्य रेल, नागपुर, निम्नलिखित कार्य के लिए अनुभवी ठेकेदारोंसे डिजिटली हस्ताक्षरित ऑनलाइन ओपन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम:** नागपुर मंडल मध्य रेलवे के इटारसी-आमला-छिंदवाड़ा अनुभाग में ओएचई/पीएसआई संरचनाओं, पीएसआई उपकरणों और टीएसएस/एसपी/एसएसपी के फेंसिंग पैनल की सफाई और पेंटिंग का कार्य। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** Rs. 29,24,836/- **बयाना राशि:** Rs. 58,500.00/- **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 16-11-2026 15.00 बजे **वेबसाईट:-** इस ई-निविदा की अधिक जानकारी तथा ई-टेंडरिंग/ऑनलाइन भाग हेतु संपूर्ण सूचना रेलवे वेब साइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

ANJ/73/491 Sr.DEE (TRD)

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

जाहीर सुचना

मी, **श्री. राजेंद्र पर्वतलाल नागदेवे राह. मंगलदीप नगर, मानेवाडा, बेसा रोड, नागपूर-४४००२४** माझी मुलगा **नामे स्वर्गीय राहुल राजेंद्र नागदेवे** ह्याचा दिनांक १६ जुन २०१६ रोजी निधन झाले आहे. त्याच्या नावे आरटीओ नागपुर येथे रजिस्टर असलेली एक होंडा कंपनीची मोटरसायकल (MCYL MOTOR CYCLE CB UNICORN 180 ID) आहे. जीचा गाडी नं. MH49-AA6983 आहे. जिचा चेचीस नं. ME4KC201HF8110201 इंजिन नंबर KC20E80121502 आहे. मी त्या मुलाचे वडील **श्री. राजेंद्र पर्वतलाल नागदेवे** त्या गाडीची कायदेशीर वारस असल्याने सदर गाडी माझ्या नावे हस्तांतरीत करण्याकरीता उप-प्रादेशिक परिवहन कार्यालय नागपूर (नागपूर आरटीओ पूर्व) येथे पेपर्स सादर केलेले आहे.

सदर वाहन बाबत जर कोणाचा उजर, हक्क असेल तर ही नोटीस प्रसिद्ध झाल्यापासून ७ (सात) दिवसांच्या आत उप-प्रादेशिक परिवहन कार्यालय नागपूर पूर्व (नागपूर, आरटीओ पूर्व) नागपूर येथे वा खालील पत्त्यावर संपर्क करावा अन्यथा आपल्या कोणाचीही तक्रार नाही असे गृहीत धरुन सदर वाहन माझ्या नावाने हस्तांतर केले जाईल यांची नोंद घ्यावी.

श्री. राजेंद्र पर्वतलाल नागदेवे
राह. मंगलदीप नगर, मानेवाडा, बेसा रोड, नागपूर-४४००२४

युगधर्म खास

तृषा कृष्णन बनेंगी जे. जयललिता

मुंबई। तृषा कृष्णन को लेकर जहां एक ओर तमिलनाडु में उपचुनाव लड़ने की चर्चाएं चल रही हैं, वहीं एक्टर-प्रोड्यूसर जेएम बशीर ने बताया है कि वह पर्दे पर जे. जयललिता का किरदार निभाने वाली हैं। यही नहीं, बशीर ने मुख्यमंत्री विजय की तारीफ करते हुए कहा कि वह भविष्य के प्रधानमंत्री हैं। साउथ सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस तृषा कृष्णन लगातार सुर्खियों में हैं। एक तरफ जहां यह चर्चा है कि वह तमिलनाडु उपचुनाव में मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टवघ से चुनाव लड़ सकती हैं, वहीं एक्टर जेएम बशीर ने खुलासा किया है कि तृषा जल्द ही बड़े पर्दे पर जे. जयललिता का किरदार निभा सकती हैं। 'पुरची थलैवर एमजीआर' फिल्म ने बन रही इस फिल्म के एमजीआर का लीड रोल जेएम बशीर निभा रहे हैं। वह फिल्म के प्रोड्यूसर भी हैं। बशीर ने बताया कि महान अभिनेता और राजनेता एमजी रामचंद्रन पर बायोपिक की तैयारी चल रही है, जिसमें तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता का किरदार तृषा कृष्णन की झोली में जाने वाला है।

sms

किसी के लिये किसी की अहमियत खास होती है, और एक दिल की चाबी दूसरे के पास होती है।

त्योहारों के दौरान प्रमुख बाजार क्षेत्रों में पुलिस गश्त एवं सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाएं

शिवसेना सहसंपर्क प्रमुख गुलाम रसूल पोठीयावाला के नेतृत्व में पुलिस उपायुक्त को सौंपा गया निवेदन

संवाददाता

नागपुर। आगामी दिवाली, मकर संक्रांति एवं अन्य प्रमुख त्योहारों के दौरान नागरिकों और व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नागपुर पुलिस परिमंडल क्रमांक ३ के अंतर्गत आने वाले प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में पुलिस बंदोबस्त बढ़ाने, नियमित गश्त सुनिश्चित करने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने की मांग की गई है।

इस संबंध में शिवसेना सहसंपर्क प्रमुख गुलाम रसूल पोठीयावाला के नेतृत्व में पुलिस उपायुक्त राहुल मदने को निवेदन सौंपकर आवश्यक सुरक्षा उपाय करने का अनुरोध किया गया। इस अवसर पर तहसील पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय मेंढे साहब भी उपस्थित थे। निवेदन में जागनाथ बुधवारी, मस्कासाथ, किराना एवं तेल बाजार, अनाज बाजार, सराफा बाजार, गांधीबाग, महल, शहीद चौक परिसर तथा इतवारी सहित प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में त्योहारों के दौरान संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, नियमित गश्त तथा आवश्यकतानुसार यातायात नियंत्रण के उपाय करने का अनुरोध किया गया।इसके साथ ही, चोरी, लूटपाट, महिलाओं के साथ छेड़छाड़ तथा यातायात संबंधी समस्याओं जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी प्रतिबंधात्मक उपाय अपनाने और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने की मांग की गई। निवेदन में अवैध पटाखा बिक्री के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने तथा प्रतिबंधित नायलॉन मांजे की बिक्री, भंडारण एवं उपयोग पर रोक लगाने के लिए संबंधित नियमों के अनुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया।

इस अवसर पर शिवसेना वैद्यकीय जिला प्रमुख रितेश मस्के, विभाग प्रमुख सागर मौंदेकर, धीरज काटे, आशीष नाकाडे, प्रभाग प्रमुख रितेश पात्रीकर, विकास मोरघडे, योगेश रंभाड, संकेत बावणे, राहुल वरुडकर, कृष्णा कांद्रीकर, राकेश डायरे, नंदू मरोडे एवं रिजवान पोठीयावाला उपस्थित थे।

मेडिकल चौक पर मनाया वंजारी की जीत का जश्न

संवाददाता

नागपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और महा विकास आघाड़ी के आधिकारिक उम्मीदवार एड. अभिजीत गोविंदराव वंजारी द्वारा नागपुर संभाग ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र चुनाव में लगातार दूसरी बार ऐतिहासिक जीत का जश्न और विजय उत्सव आयोजित किया गया। यह विजय उत्सव महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव गिरीश कृष्णराव पांडव की पहल पर नागपुर के मेडिकल चौक स्थित उनके जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित किया गया था और इस कार्यक्रम में नवनिर्वाचित विधायक एड. अभिजीत गोविंदराव वंजारी स्वयं मौजूद थे। इस विजय उत्सव में बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के पूर्व और वर्तमान नगरसेवक, राज्य पदाधिकारी, युवा कांग्रेस, छडणख के पदाधिकारी और कार्यकर्ता, विभिन्न स्तरों पर कांग्रेस पदाधिकारी और महा विकास आघाड़ी के साथी शामिल हुए।

इस जीत को ग्रेजुएट मतदाताओं द्वारा दिखाए गए भरोसे, कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और महा विकास अघाड़ी की एकता के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।

खुशियों के साथ सुरक्षा को भी प्राथमिकता दें!

महावितरण की अपील

नागपुर। एक तरफ, कुछ ही दिनों में आने वाले रोशनी के त्योहार की तैयारियां हर घर में सुबह से ही चल रही हैं; दूसरी तरफ, महाराष्ट्र के कई हिस्सों में खेतों में लहलहाती फसलें और पीने के पानी के लिए जूझते मां-बाप की तस्वीर दिल दहला देने वाली है। जहां एक तरफ खुशियों की बहार है, वहीं दूसरी तरफ, सूखे और पानी की भारी कमी से जूझ रहे बलिराजा और ग्रामीण इलाकों में उम्मीद की किरण दिख रही है।

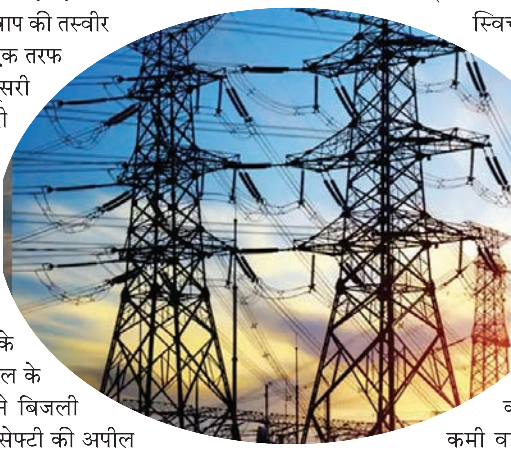

इसी माहौल में, त्योहार मनाने के साथ-साथ, घर और आस-पास किसी भी तरह के बिजली के हादसे को रोकने के लिए महावितरण के नागपुर सर्कल के चीफ इंजीनियर राजेश नाईक ने बिजली कंज्यूमर्स से बातचीत करते हुए सेफ्टी की अपील की है। उन्होंने यह भावना जाहिर की है कि त्योहार कोई भी हो, हर नागरिक की जान और सेफ्टी जरूरी है।

दिवाली पर हर घर में लाइटें जलती हैं, लेकिन इस भागदौड़ या उत्साह में एक छोटी सी गलती पूरे परिवार की जान ले सकती है। खासकर गांव और सूखा प्रभावित इलाकों में अक्सर खेतों में या घर के पास टेम्परारी कनेक्शन लगाकर लाइटिंग की जाती है। ऐसे समय में ओवरलोड या पुराने-टूटे तारों से शॉर्ट सर्किट और आग लगने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए, इस दिवाली को मज़ेदार और खुशनुमा बनाते हुए बिजली का बहुत ध्यान रखना ज़रूरी हो गया है। त्योहार से एक दिन पहले घर की सफाई करते समय, दीवारों पर पेंटिंग करते समय स्विच बोर्ड या सॉकेट का खास ध्यान रखें। पेंटिंग करते समय मेन पावर सप्लाई बंद रखें और यह पक्का करें कि इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ी किसी भी करंट वाले तार को न छुए। अगर घर में चूहों द्वारा कुतर दिए गए तार या ढीले प्लग हैं, तो उन्हें जल्द से जल्द बदल दें, ताकि किसी भी अनहोनी घटना को रोका जा सके। सूखे की वजह से पानी की बहुत ज़्यादा कमी वाले इलाकों में, कुओं और बोरवेल से पानी लाते समय या उसे चालू-बंद करते समय पावर सिस्टम का इस्तेमाल बढ़ जाता है। ऐसे सेंसिटिव हालात में, पावर लाइन या ट्रांसफ़ॉर्मर के पास किसी भी तरह का रिस्क लेने से बचना चाहिए। छोटे बच्चों को करंट वाले तारों और अप्लायंसेज से दूर रखें। पटाखे जलाते समय भी पावर लाइन और खंभों से सेफ़ दूरी बनाए रखना बहुत ज़रूरी है।

मनस्वी ने कराटे चैंपियनशिप में जीते गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल

नागपुर। जुना बगड़गंज की निवासी मनस्वी महेश भीवगडे ने कराटे डो डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुमिते में गोल्ड मेडल (प्रथम स्थान) और काता में ब्रॉन्ज मेडल (तृतीय स्थान) प्राप्त कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया। मनस्वी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने कोच सेंसई यशवंत हरडे और अपने माता-पिता को दिया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

स्टील एंड हार्डवेयर चेम्बर ऑफ विदर्भ का 'दीपावली पारिवारिक स्नेह मिलन' १५ नवंबर को

मोहन अग्रवाल को मेटाफेंस लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा

संवाददाता

नागपुर। लोहा, स्टील और हार्डवेयर व्यवसाय से जुड़े विदर्भ के उद्यमियों की शीर्ष संस्था स्टील एंड हार्डवेयर चेम्बर ऑफ विदर्भ अपना वार्षिक दीपावली पारिवारिक स्नेह मिलन रविवार, १५ नवंबर २०२६ को शाम ७.०० बजे से नैवेद्यम ईस्टोरिया, भारत नगर चौक, कलमना मार्केट रोड, नागपुर ४४०००८ में आयोजित कर रहा है।

यह आयोजन सनविजय रोलिंग इंजी. लि., तिरुपति बालाजी स्टील, जोएसके कार्पो. प्रा.लि.के सहयोग से किया जा रहा है। चेम्बर के अध्यक्ष संजय के. अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष चेम्बर, राजेश स्टील इंडस्ट्रीज के मोहन बिंद्राबन अग्रवाल को व्यापार, उद्योग और समाज के प्रति उनके दीर्घकालीन एवं विशिष्ट योगदान के लिए 'स्टील चेम्बर मेटाफेंस लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित करेगा।

मोहन अग्रवाल चेम्बर के उपाध्यक्ष रहे हैं। उन्होंने परिवार के स्टील ट्रेडिंग को निर्माण क्षेत्र तक पहुँचाया और नागपुर, भिलाई तथा हैदराबाद में इकाइयाँ स्थापित कीं, जिनमें स्पंज आयरन से लेकर तैयार रोल्ड उत्पादों तक की पूरी शृंखला समाहित है। अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए चेम्बर उन दम्पतियों का भी सत्कार करेगा जिन्होंने अपने विवाह की रजत (२५ वर्ष) अथवा स्वर्ण (५० वर्ष) वर्षगांठ पूर्ण की है, उन सदस्यों तथा उनके परिजनों का जिन्होंने ६५ वर्ष की आयु पूर्ण की है, और उनका जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त की है। इसके साथ ही चेम्बर अपने सदस्यों के प्रतिभाशाली बच्चों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए रजत पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करेगा, ऐसा चेम्बर के सचिव मुकुल अग्रवाल ने बताया।

चेम्बर के संयुक्त सचिव मनीष जेजानी ने बताया कि इस अवसर पर चेम्बर दीप उत्सव हाउसी का आयोजन कर रहा है, जिसके उपहार डब्ब्ळ णवूेस के सौजन्य से दिए जा रहे हैं।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज खेमानी, उपाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, तथा कोषाध्यक्ष सूर्यकांत अग्रवाल ने सभी सदस्यों एवं उनके परिवारों से इस आयोजन में सम्मिलित होकर आपसी एकता और स्नेह की भावना को सुदृढ़ करने का आग्रह किया। उन्होंने सदस्यों से यह भी निवेदन किया कि सत्कार के पात्र सदस्यों, दम्पतियों एवं बच्चों के नाम व विवरण दिनांक ३१ अक्टूबर २०२६, शाम ५.०० बजे तक चेम्बर कार्यालय में ताकि चेम्बर उन्हें सादर आमंत्रित कर सके।

मैं शायर तो नहीं, मगर ऐ हसीं..!

ज्येष्ठ मित्र मंडल ने प्रस्तुत किया संगीतमय नजराना

संवाददाता

नागपुर। नगर की सुप्रसिद्ध व सामाजिक तथा सांस्कृतिक संस्था ज्येष्ठ मित्र मंडल के तत्वावधान में जरीपटका स्थित मातेश्वरी भवन नागपुर में हिट्स ऑफ लक्ष्मीकांत प्यारेलाल (कराओके स्पेशल) का शानदार प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना मंडल के अध्यक्ष अर्जुनदास आहूजा ने रखी। मंच संचालन मंडल की महिला प्रमुख डॉ. संगीता दलवानी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक महेश लालवानी को शॉल, श्रीफल व पुष्पगुच्छ द्वारा मंडल के अध्यक्ष अर्जुनदास आहूजा द्वारा सत्कार किया गया। पश्चात मंच सुप्रसिद्ध उद्घोषक सुशील तिवारी को सुपुर्द किया। गायक कलाकारों में अर्जुनदास आहूजा, महेश लालवानी, कमल सावधानी, कमलेश टहलियानी, कपिल हरिरामानी, सुरेश एस.आहूजा, परसराम चेलानी, महेश खिलनानी, संतोष केसवानी, भावना लालवानी, लक्ष्मी खिलनानी, रजनी शर्मा, वैजयंती सचदेव, मीना उत्तमचंदानी, रेशमा लालवानी, कविता बेलानी, रीता कंधारी ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति दी। सर्व प्रथम सभी कलाकारों द्वारा ग्रुप सांग गाकर ना चाहू सोना चांदी गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात तेरे हाथों में पहना दू चूड़ियां, हंसता हुआ नूरानी चेहरा, मैं तेरे प्यार में पागल, सत्यम शिवम सुंदरम, गोरे नहीं काले नहीं, गाड़ी बुला रही है सीटी बजा रही है, एक प्यार का नगमा है, तू कितने बरस का, झूठ बोले कौआ काटे, मैं शायर तो नहीं गाकर समा बांधा। सभी कलाकारों का हर्षध्वनि से सत्कार किया गया। अंत में आभार मंडल के सहसचिव रमेश सचदेव ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोहरलाल आहूजा, लक्ष्मण पेशवानी, रमेश सचदेव, मनोहरलाल पाहुजा, रमेश आसनानी ने अथक प्रयास किया। इस अवसर पर काफी संख्या में श्रोता उपस्थित थे। पश्चात हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह जानकारी मंडल के सचिव लक्ष्मण पेशवानी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

रूपम फूड्स पर एफडीए का छापा

नागपुर। दिवाली से करीब आते ही खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) का जांच अभियान तेज हो गया है। नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले खाद्य कारोबारियों के खिलाफ खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने अपनी छापामार कार्रवाई का सिलसिला जारी रखा है। इसी के तहत एफडीए की विशेष जांच टीम ने शहर के वांजरा ले-आउट में संचालित 'मे. रूपम फूड्स' के निर्माण फैक्ट्री परिसर पर अचानक दबिश देकर १५,००० किलो से अधिक संदिग्ध, निकृष्ट और भ्रामक लेबल वाले नूडल्स व मैदे का जखीरा जब्त किया है। एफडीए की इस अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र के मिलावटखोरों और नियमों की अनदेखी करने वाली खाद्य इकाइयों में हड़कंप मच गया है।

सूत्रों की मानें तो शहर के सीमावर्ती वांजरा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध उत्पादन इकाइयां संचालित हो रही हैं। एफडीए की टीम जब वांजरा लेआउट स्थित फैक्ट्री में दाखिल हुई तो वहां बड़े पैमाने पर पैकेजिंग और प्रोसेसिंग का काम चल रहा था। टीम ने बारीकी से निरीक्षण शुरू किया तो जांच के दौरान पैकेजिंग और गुणवत्ता में भारी खामियां मिलीं। गलत लेबल लगे 'वेज हक्का नूडल्स', भारी मात्रा में खुले नूडल्स और घटिया गुणवत्ता का मैदा भी बरामद हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस दौरान ७,२६, १४७ रुपये की कीमत का कुल १५,०८२ किलोग्राम मतलब १५ टन से अधिक संदिग्ध नूडल्स और मैदे का जखीरा मिला जिसे एफडीए की टीम ने सीज कर दिया। एफडीए ने जब्त किए गए माल के सैंपल को जांच के लिए लैब में भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। एफडीए आयुक्त के विशेष निर्देशों पर हुई इस छापामारी को बेहद गुप्त और त्वरित तरीके से अंजाम दिया गया। एफडीए के सह-आयुक्त (अन्न) कृष्णा जयपुरकर एवं सहायक आयुक्त अजय सदार मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. एएन खांडारे और उनकी विशेष टीम ने यह कार्रवाई की।

गरोबा मैदान में शारदोत्सव का हीरक महोत्सव

संवाददाता

नागपुर। गरोबा मैदान, बगडगंज, नागपूर में नूतन बालमित्र शारदोत्सव मंडल अपनी गौरवशाली प्रतिमा के साथ शारदोत्सव का हीरक महोत्सव मना रहा है। गत साठ वर्षों के हर्षोल्हास की गरिमा कायम रखते हुए सामाजिक, सांस्कृतिक, बोधप्रद कार्यक्रमो के साथ इस वर्ष भी विविध रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस वर्ष 'पुरी के श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर में माता शारदा के दर्शन' प्रस्तुति से अनोखे आनंद तथा पौराणिक परंपरा की अनुभुति महसूस होती है। २१ अक्तूबर से शारदा स्थापना के पश्चात प्रवचन, भजन, मंडल के महिला एवं बालगोपाल मंडली के नृत्य प्रतियोगिता के साथ गौरी शिंदे ग्रुप की 'सुरमई शाम' मॅजिक शो, होमहवन, महाप्रसाद एवं सत्कार समारोह, पानसुपारी आदि श्रृंखलामयी कार्यक्रम संपन्न हो रहे है। प्रतिवर्ष मंडल का खास आकर्षण रखनेवाली विसर्जन शोभायात्रा इस वर्ष शनिवार दि. ३१ अक्तूबर को निकलेगी, जिसमें परिसर के सभी नागरिक एकरूपता से सहभागी होते हैं। शारदोत्सव को सफल बनाने में मधुकर वनकर, पुरुषोत्तम घाटोले, सुभाष गोतमारे, पितांबर बालपांडे, भुपेश चामट, गिरीधर धोटे, नरहरी राखडे, प्रमोद गुप्ता, राजेंद्र दारोडे, पेठे, विलास लोहारे (अध्यक्ष), विनोद खंडाले, महेंद्र अडिकने, रवि पोरेड्डीवार, नरेश वासूलकर, निलकंठ गायधने, वसंत गुल्हाने, विजय निमजे, रत्नाकर भुजाडे, सुनिल खवास आदि प्रयत्नरत रहते हैं।

कल एकता का संदेश देने वाली यूनिटी मैराथन रन

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में मनपा का आयोजन

संवाददाता

नागपुर। देश के पहले गृह मंत्री, उप प्रधानमंत्री, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में नागपुर महानगरपालिका द्वारा 'यूनिटी रन मैराथन' प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार, ३१ अक्टूबर को सुबह ६ बजे सरदार वल्लभभाई पटेल मैदान (कच्छीवीसा), लकड़गंज से किया गया है। शहर के नागरिकों में राष्ट्रीय एकात्मता, भाईचारे और सामाजिक एकता की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मनपा द्वारा 'यूनिटी मैराथन रन' का आयोजन किया गया है।

नागरिकों की इस प्रतियोगिता में भागीदारी के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का संदेश देना इसका मुख्य उद्देश्य है। महापौर श्रीमती नीता ठाकरे ने अधिक से अधिक संख्या में नागरिकों से इस प्रतियोगिता में भाग लेने तथा राष्ट्रीय एकता के कार्य में सहभागी होने की अपील की है।

'यूनिटी रन मैराथन' प्रतियोगिता २१ किमी (ओपन), १० किमी पुरुष एवं महिला ओपन वर्ग, ५.३ किमी महिला ओपन वर्ग, ५.३ किमी १६ वर्ष से कम आयु के लड़के, २.५ किमी १६ वर्ष से कम आयु की लड़कियाँ तथा सभी के लिए २.३ किमी की होगी। विशेष रूप से, धावकों को प्रोत्साहित करने के लिए आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। इसमें कुल ११ लाख रुपये के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, साथ ही वेशभूषा प्रतियोगिता (फैंसी ड्रेस) के प्रतिभागियों के लिए आकर्षक पुरस्कार, पहले ५ हजार धावकों को पदक और सभी पंजीकृत धावकों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित इस 'यूनिटी मैराथन' में नागरिक बड़ी संख्या में भाग लें। दौड़ के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देने के साथ ही राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव की भावना को और मजबूत करने के लिए नागरिक आगे आएं। सत्तापक्ष नेता तथा कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र (बाल्या) बोरकर ने परिजनों, मित्रों और विभिन्न संस्थाओं व संगठनों से उत्साहपूर्वक भाग लेकर 'यूनिटी मैराथन' को सफल बनाने की अपील की है।

प्रतियोगिता में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी उपस्थित रहेंगे तथा उनके कर-कमलों द्वारा हरी झंडी दिखाकर मैराथन की शुरुआत की जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती नीता ठाकरे करेंगी।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कल्याण एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे, विशेष अतिथि के रूप में राज्य के राजस्व मंत्री तथा नागपुर के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया इवनाते, विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) अभिजीत वंजारी, सुधाकर अडबाले, डॉ. परिणय फुके, संजय भेंडे, डॉ. राजीव पोतदार, विधानसभा सदस्य (विधायक) सर्वश्री डॉ. नितिन राउत, कृष्णा खोपड़े, प्रवीण दटके, मोहन मते, विकास ठाकरे उपस्थित रहेंगे।

११ लाख रुपये के पुरस्कार

'यूनिटी मैराथन' रन के विजेता खिलाड़ियों के लिए कुल ११ लाख रुपये के पुरस्कार रखे गए हैं। विभिन्न आयु वर्गों के अनुसार इन पुरस्कारों का वितरण किया गया है। प्रत्येक वर्ग में शीर्ष १० धावकों को पदक, प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही मैराथन में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों और नागरिकों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

CMYK CMYK CMYK